दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 140 रायपुर, शुक्रवार, 12 जून 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 विशेष पिछड़ी जनजातियों...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

दर्शकों की हर राय हमारे ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री का जल संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में अल–नीनो की संभावित चुनौतियों को देखते हुए जल संरक्षण तथा प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने आकांक्षी जिलों के मानकों के आधार पर प्रगति के मूल्यांकन और विकसित भारतश्च2047 के लक्ष्य के लिए स्पष्ट निगरानी व्यवस्था, 100–दिवसीय तथा पांच वर्षीय लक्ष्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। नीति आयोग की शीर्ष बैठक में पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद बैठक की अध्यक्षता की। इस साल का विषय 'विकसित भारतश्च2047 के लिए समावेशी मानव विकास' था। इसमें 28 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप–राज्यपाल और प्रशासक शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारतश्च2047 का संकल्प देश के हर राज्य, जिले, ब्लॉक और गांव का सामूहिक लक्ष्य बनना चाहिए। उन्होंने 70 करोड़ युवाओं को भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए राज्यों से जनसांख्यिकीय लाभांश को विकास लाभांश में बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने युवाओं और एमएसएमई के लिए अवसर बढ़ाने, विदेशी निवेश आकर्षित करने, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और रक्षा विनिर्माण को प्रोत्साहन देने पर बल दिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अवसर बताते हुए भविष्य उन्मुख कौशल विकास, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती तथा साइबर अपराध और नशे जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता बताई।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्रियों, उप–राज्यपालों व प्रशासकों ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके पद पर 12 साल पूरे करने पर बधाई दी। उन्होंने वैश्विक भू–राजनीतिक संकट का सामना करने और ऊर्जा जरूरतों के मामले में भारत की मजबूती बढ़ाने और विकास की गति को बनाए रखने के लिए केंद्र के साथ एकजुटता भी व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चर्चाएं रचनात्मक थीं और इनमें राज्यों की आकांक्षाओं, उम्मीदों, अनुभवों, बेहतरीन तौर–तरीकों और चुनौतियों की झलक मिली। प्रधानमंत्री ने बैठक में भाग लेने के लिए सभी मुख्यमंत्रियों, उप–राज्यपालों और प्रशासकों का आभार व्यक्त किया और भरोसा जताया कि सहयोग, इनोवेशन और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता के जरिए भारत 2047 तक 'विकसित भारत' की अपनी यात्रा को तेज कर सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के मूल्यांकन पर संसदीय स्थायी समिति की रायपुर में बैठक आयोजित

कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में व्यापार अवसरों पर व्यापक चर्चा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यसभा सांसद एवं वाणिज्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष डोला सेन की अध्यक्षता में गुरुवार को रायपुर के एक निजी होटल में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समिति के 10 से 12 जून 2026 तक अहमदाबाद, रायपुर एवं भुवनेश्वर के अध्ययन दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है।

बैठक में भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों का मूल्यांकन विषय पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें व्यापार, निवेश, निर्यात–आयात तथा दोनों देशों के मध्य आर्थिक सहयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जा रही है। अध्ययन दौरे का उद्देश्य संबंधित हितधारकों एवं अधिकारियों से प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त कर विषय पर एक व्यापक एवं तथ्यपरक रिपोर्ट तैयार करना है।

बैठक के दौरान कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ताओं एवं निर्यातकों तथा उनके संबंधित उद्योग संघों एवं वाणिज्य मंडलों की क्षेत्रीय शाखाओं के प्रतिनिधियों के साथ विचार–विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), अखिल भारतीय खाद्य प्रसंस्करण संघ (एआईएफपीए), अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (एआईआरईए), भारतीय खाद्य एवं पेय संघ (आईएफबीए), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा वाणिज्य विभाग के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया और विषय से संबंधित अपने सुझाव एवं अनुभव साझा किए। समिति द्वारा भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने, निर्यात संवर्धन तथा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के वैश्विक बाजार विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर संसदीय स्थायी समिति के सदस्य सांसद अमरा राम, बिश्वजीत सिन्हा (राहुल सिन्हा), रमेश अवस्थी, अतुल गर्ग, धनंजय भीमराव महाडिक, रेणुका चौधरी, रोजी सैलो दामोदरन, लामनेई सिंगसित, दिलीप यादव, सदानंद महालू शेट तानवड़े, अनीता शुभदर्शिनी, डॉ. शिवपाल सिंह पटेल, आनंद भदौरिया, डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले, डॉ. संगीता बलवंत, विजया एस. राजशेखर, राजेन्द्र कुमार तथा गिरधारी यादव उपस्थित थे। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर सुझाव प्रस्तुत किए गए तथा भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संभावित उपायों पर विचार–विमर्श किया गया।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने रामगढ़ में किया 20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन

एजेंसी, जैसलमेर

रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को आकाशवाणी जयपुर परिसर से जैसलमेर जिले के रामगढ़ में स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस नई सुविधा के शुरू होने से राजस्थान में एफएम ट्रांसमीटरों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है।

नए ट्रांसमीटर के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग 80 किलोमीटर के दायरे में रेडियो प्रसारण उपलब्ध होगा। इससे जैसलमेर जिले के करीब 20 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले लोगों को समाचार, शिक्षा, कृषि, जनकल्याण और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा।

बदलते तकनीकी दौर में रेडियो प्रसारण को प्रासंगिक और प्रभावशाली बनाए रखने के लिए फ्डिजिटल फर्स्टफ्र और फ्हाइपर–लोकलफ्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

देश में कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई स्थिर : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के बादजूद देश में कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। सरकार ने कहा कि रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर–मंत्रालयी प्रेसवार्ता में कहा कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर मांग बढ़ने की खबर मिली है। फिर भी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पूरे नेटवर्क में सप्लाई को सुचारू और बिना किसी रुकावट के बनाए रखने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में घरेल रसोई गैस (कुकिंग) एलपीजी सिलेंडर की 1.40 करोड़ बुकिंग मिलीं है, जिनके

मुकाबले 1.49 करोड़ डिलीवरी पूरी की गईं है।

उन्होंने बताया कि इसी दौरान लगभग 22,340 टन कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर बेची गई, जबकि 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की करीब 1.91 लाख यूनिट्स की भी सप्लाई की गई है। सुजाता शर्मा ने कहा कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर अभी भी काफी बिक्री हो रही है, लेकिन हम सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों में सप्लाई सुचारू रूप से बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। सरकार नाविक समुदाय की भलाई और सुरक्षा को बहुत महत्व देती है। उन्होंने कहा कि कल हमने ओमान के तट के पास एक जहाज पर हुए हमले की निंदा की, जिसमें दुर्भाग्य से तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। जायसवाल ने कहा कि हमने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए यूएस के चार्ज डी'अफेयर्स किया था। इस क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और ये क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का सीधा नतीजा हैं। इन हमलों को रोका जाना चाहिए। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द बहाली सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति का भी आह्वान करते हैं।

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

ओवररेटिंग मामले में चार आबकारी उप निरीक्षक निलंबित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ ने राज्य के विभिन्न जिलों में शराब दुकानों में निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री और नियंत्रण में लापरवाही के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए चार आबकारी उप निरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई।

निलंबित अधिकारियों में धमतरी जिले के कुरूद के वृत्त प्रभारी पुरूषोत्तम सिन्हा (आबकारी उप निरीक्षक), खैरागढ़–छुईखदान–गंडई जिले के गंडई वृत्त प्रभारी प्रभाकर सिरमौर (आबकारी उप निरीक्षक), बलौदाबाजार जिले के सिमगा वृत्त प्रभारी मनराखन नेताम (आबकारी उप निरीक्षक) तथा रायपुर जिले के पंडरी वृत्त प्रभारी कौशल किशोर सोनी (आबकारी उप निरीक्षक) शामिल हैं। जांच में गंडई, हिरमी, कुरुद और फाफाडीह शराब दुकानों में छद्म ग्राहकों के माध्यम से की गई खरीद में निर्धारित दर से 10 से 60 रुपये तक अधिक वसूली की पुष्टि हुई। संबंधित शराब दुकानों के विक्रयकर्ताओं के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 39(ग) के तहत प्रकरण भी दर्ज किया गया है।

मोदी सरकार में राजस्थान का रेल बजट 682 करोड़ से बढ़कर 10,828 करोड़ हुआ : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी, जयपुर

केंदीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विकास कार्य हुए हैं, जिनका लाभ राजस्थान को भी मिला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती यूपीए सरकार के दौरान राजस्थान को रेलवे के लिए 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जिसे बढ़ाकर 10,828 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 76 हजार करोड़ रुपये की लागत से रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम में वैष्णव ने कहा कि राजस्थान के 85 रेलवे

स्टेशनों का पुनर्विकास और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। जयपुर रेलवे स्टेशन की दूसरी एंट्री, गांधी नगर जयपुर स्टेशन के पुनर्निर्माण सहित जैसलमेर, जोधपुर, अलवर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, आबूरोड, पाली मारवाड़ और जालोर सहित कई स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय स्थापत्य को विशेष महत्व दिया गया है।

उन्होंने बताया कि कोविड महामारी के बाद राजस्थान को 46 नई रेलगाड़ियां मिली हैं। इनमें जोधपुर–दिल्ली, जोधपुर–पुणे, जैसलमेर–दिल्ली और बीकानेर–दिल्ली जैसी महत्वपूर्ण रेल सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अजमेर–जयपुर–दरभंगा रेल सेवा को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। इसके अलावा जयपुर–अजमेर सहित विभिन्न मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनों का संचालन भी शुरू किया गया है।

रेल मंत्री ने कहा कि राज्य में आगरा–बांदीकुई, अजमेर–चित्तौड़गढ़, रींगस–सीकर, सवाई माधोपुर–जयपुर तथा लूणी–भीलड़ी रेल लाइन दोहरीकरण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है। वहीं देवगढ़ मदारिया–नाथद्वारा, नीमच–बड़ी सादड़ी, पुष्कर–मेड़ता तथा रामगंजमंडी–भोपाल नई रेल लाइन परियोजनाएं भी प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास को गति देने के लिए राजस्थान में 24 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किए जा रहे हैं। इनमें 10 टर्मिनल तैयार हो चुके हैं, छह पर निर्माण कार्य जारी है तथा आठ को स्वीकृति दी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 560 किलोमीटर लंबे समर्पित मालवाहक गलियारे (फ्रेट कॉरिडोर) के तहत राजस्थान को 14,700 करोड़ रुपये के निवेश का लाभ मिला है।

ओमान तट के पास एक और जहाज पर हमला, भारत ने दर्ज कराया विरोध

एजेंसी , नई दिल्ली

भारत ने ओमान तट के पास भारतीय नाविकों वाले लगातार तीसरे जहाज एमटी जलवीर पर अमेरिकी हमले को लेकर गुरुवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि ओमान तट के पास एक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है। भारत ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस मामले में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर भारत की गंभीर चिंता और विरोध से अवगत कराया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। भारत

अपने नाविक समुदाय की सुरक्षा तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले अत्यंत चिंताजनक हैं और ये वहां जारी संघर्ष का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए संवाद तथा कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जायसवाल ने होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप इस मार्ग पर निर्बाध और सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत लगातार इस मुद्दे को विभिन्न स्तरों पर उठा रहा है।

विदेश मंत्रालय में खाड़ी मामलों के अतिरिक्त सचिव असीम आर महाजन ने कहा कि मंत्रालय पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं और भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन संचालित कर रहे हैं।

समाजसेवी नीतू सिंह की बेटी के आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए संघ प्रमुख डॉ. भागवत

एजेंसी, कानपुर

आजाद नगर स्थित आर्या सभागार में गुरुवार को वरिष्ठ समाजसेवी नीतू सिंह एवं स्वर्गीय यतीन्द्र जीत सिंह की ज्येष्ठ पुत्री वसुंधरा के विवाहपूर्व आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शामिल होकर वसुंधरा एवं यश को शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, प्रशासनिक तथा औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान डॉ. मोहन भागवत ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की तथा उपस्थित अतिथियों से भी भेंट की। कार्यक्रम में क्षेत्र संघचालक रहे वीरेन्द्र जीत सिंह तथा कानपुर प्रांत के प्रांत प्रचारक श्रीराम भी मौजूद रहे। आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके

पदाधिकारियों, प्रचारकों और कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में रामलाल, अनिल ओक, कमलेश, सुरेश सोनी, अशोक बेरी, अभय महाजन, नवल किशोर तथा तेलंगाना के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर सहित अनेक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी और स्वयंसेवक शामिल हुए। विभिन्न प्रांतों से आए कार्यकर्ताओं ने भी समारोह में सहभागिता की।

आयोजन में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, कानपुर नगर की महापौर प्रमिला पाण्डेय, पूर्व विधान परिषद अध्यक्ष मानवेन्द्र प्रताप सिंह, सांसद देवेन्द्र सिंह भोले, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह तथा मंत्री राकेश सचान भी उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, पंकज सिंह, अवनीश अवस्थी, विनोद कटियार, पूर्व मंत्री अंटू मिश्रा, सुब्रत पाठक, तरुण विजय, विधायक राहुल बच्चा, अभिजीत सिंह सांगा और नीलिमा कटियार सहित कई जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

समारोह में शिक्षण संस्थानों से जुड़े पदाधिकारी, उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नागरिक भी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में अतिथियों के पहुंचने के कारण आयोजन स्थल पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202605112800017

विषयः- अ-20(3)
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
रायपुर प.ह.न. 00062 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - 618 अनिल आसुदानी, 628 दौलत आसुदानी, 638 सुनील आसुदानी, 648 विनोद आसुदानी सभी पिता स्व. जवाहर लाल आसुदानी,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं मौजा सिविल स्टेशन रायपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण 618 अनिल आसुदानी, (2) दौलत आसुदानी, (3) सुनील आसुदानी, (4) विनोद आसुदानी सभी पिता स्व. जवाहर लाल आसुदानी, निवासी- अमलीडीह, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा छ.ग. भू राजस्व संहिता अधिनियम 1959 की धारा 110 के तहत् नामांतरण बाबत् आवेदन पेश किया है कि मौजा सिविल स्टेशन स्थित ब्लॉक/शीट नंबर-18, प्लॉट नंबर-3/3/छ/2, रकबा 210 वर्गफुट भूमि आवेदकगणों के पिता जवाहरलाल आसुदानी पिता श्री हीरानंद आसुदानी के नाम पर दर्ज है। आवेदकगणों के पिता जवाहर लाल आसुदानी की मृत्यु दिनांक 16/07/2022 को तथा आवेदकगणों की माता श्रीमती कमला आसुदानी पति स्व. जवाहर लाल आसुदानी की मृत्यु दिनांक 22/11/2013 को गया है, जिनके वारिसानों में आवेदकगण हैं, अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है । अतएव आवेदकगणों द्वारा वारिसान हक के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र के साथ फ्री होल्ड डीड, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी का कोई आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा पेशी दिनांक 17/06/2026 तक न्यायालयीन अवधि में कार्यालय कलेक्टर नजूल अधिकारी रायपुर कक्ष क्रमांक-21 में स्वयं या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपित्त दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/05/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
नजूल अधिकारी
रायपुर छ.ग.

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 05/06/2026
ग्राम कोटा 1+2 प.ह.नं. 51, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक बिपिन गुलानी पिता त्रिलोकचंद गुलानी निवासी नेपीचंद गली, गंजपारा रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि, ग्राम कोटा 1+2 प.ह.नं. 51 रा.नि.मं. रायपुर 03 तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 159/15 का भाग रकबा 0.1289 हे. अर्थात 1112 वर्गफुट भूमि आवेदक द्वारा विक्रेता कौशर बेगम पिता मोइजुदीन निवासी- समता कॉलोनी फेज-2 कोटा रायपुर छ.ग. से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.03.2020 को निष्पादित किया गया है। अतः उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 19/06/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार, उप तहसील सारागांव जिला-रायपुर छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्रमांक/अ-6 वर्ष 2026
सारागांव दिनांक 11/06/2026
ग्राम - भुरकोनी, प.ह.न. 13 रा.नि.म. रायपुर 16 सारागांव

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय सांडे पिता स्व. श्री खेदूनाथ सांडे शिवाजी पार्क कालोनी, रायपुर छ.ग. द्वारा वसीयत के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर उल्लेख किया है कि ग्राम भुरकोनी प.ह.न. 13, रा.नि.म. रायपुर 16 सारागांव, तह धरसींवा, जिला रायपुर स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 246/71. 246/72 रकबा 0.0104 हे., 0.0104 हे. कुल 2250 वर्गफुट जो कि रॉयल एवेन्यू कालोनी में स्थित भूखंड कमांक सी 18 एवं सी 19 है जो कि वर्तमान राजस्व अभिलेख में मुक्ता बाई चौहान के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 30/08/2024 को हो चुकी है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 10/07/2024 को वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। जिसके आधार पर आवेदक द्वारा नामातंरण हेतु निवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 30/06/2026 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है नियत पेशी दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/06/2026 को जारी किया जाता है ।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 05/06/2026
ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 48, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक विनोद राव भोसले पिता स्व. नत्थू राव भोसले निवासी- फाफाडीह रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि, ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. रायपुर 06 तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 195 व 196 का भाग, शीट नंबर 41 भूखण्ड नंबर 17/7 रकबा 440 वर्गफुट भूमि आवेदक की बहन विमला भोसले पिता स्व. नत्थू लाल भोसले के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार विमला भोसले की मृत्यु दिनांक 30.11.2004 को हो चुकी है। जिनके विधिक वारिसान विनोद राव भोसल है, अन्य कोई नही है। अतः उक्त आवेदित भूमि से मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर विधिक वारिसानो के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतः आवेदिकागण द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 19/06/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर 5

मामले की श्रेणीः राजस्व
संदर्भः- जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00060 भाठागांव ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांकः- RD202526440722400195

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00060 के अंतर्गत ग्राम भाठागांव के वर्तमान भूमिस्वामी श्री दीवान सोनकर पिता/पति स्व. चरण सोनकर पता-सा. देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1462/2 (0.0056) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती रत्ना गोसाई पिता/पति- श्री अनुराग गोसाई पता-मकान नंबर बी/30, श्रीराम विहार कालोनी माईनिंग आफिस के पास पुरैना तेलीबांधा रायपुर के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 15/06/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर 5 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/06/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

शपथपत्र

मैं शपथकर्ता / शपथकर्ती भानमती यादव पति श्री दीपक यादव निवासी:- मकान नं. 2944 राजीव नगर मोहबाबाजार रायपुर तह व जिला रायपुर छ.ग. का रहने वाला/वाली हूँ जो कि निम्न कथन करता हूँ / करती हूँ कि:-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है जो कि सत्य व सही है।
2. यह कि मेरी पुत्री हिमांशी यादव जन्म दिनांक 16/07/2018 को जन्म स्थान जिला अस्पताल रायपुर छ.ग. में हो चुका है जिसका जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री हिमांशी यादव HIMANSHI YADAV माता का नाम धानी यादव DHANI YADAV पिनतार दीपक यादव DEEPAK YADAV लिखा गया है। जो कि गलत दर्ज अंकित है।
3. यह कि सही नाम पुत्री हिमांशी यादव, HIMANSHI YADAV माता श्रीमती भानमती यादव BHANMATI YADAV पिता श्री दीपक यादव DEEPAK YADAV है जो कि सत्य व सही है यही नाम दर्ज अंकित कर नया जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे शपथपत्र प्रस्तूत है।

सत्यापन

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करता/करती हूँ कि शपथपत्र कि कण्डिका 01 से 04 तक कि याते सत्य सही है अपना हस्ताक्षर कर दिया जा रहा है।

शपथकर्ती
भानमती यादव

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

ईस्तहार

रा.प्र.क्रमांक /...../ अ-20 (1) वर्ष 2025-2026
ग्राम नेवरा प.ह.नं. 18

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विशाल अग्रवाल पिता श्री केशरीमल अग्रवाल वार्ड नं. 06 तिल्दा-नेवरा, तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि ग्राम नेवरा स्थित स्वामित्व एवं आधिपत्य नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 220041 का शीट नं. 12 खसरा नं. 250, 251 का भाग का रकबा 1200 वर्गफुट भूमि नजूल पट्टा भूमि पर आवेदक के नाम से आबंटित की गयी है। नजूल भूमि के पटटे कि अवधि समाप्त हो चुकी है उक्त वर्णित भूमि के पट्टे का अवसान हो चुका हैं नजूल पट्टा को नवीनीकरण आवेदक के नाम से जारी किये जाने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तिल्दा के माध्यम से जांच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त। आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित तलवाना की प्रति प्रस्तुत किया गया हैं। जिसकी सुनवाई दिनांक 29/06/2026 को नियत है।

इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 10/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

ईस्तहार

रा.प्र.क्रमांक /...../ अ-20 (1) वर्ष 2025-2026
ग्राम तिल्दा प.ह.नं. 19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नानकराम छाबडिया 2. विक्रम छाबडिया पिता श्री साजनदास छाबडिया वार्ड नं. 16 तिल्दा-नेवरा, तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि ग्राम तिल्दा स्थित स्वामित्व एवं आधिपत्य नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 13014 का शीट नं. 03 खसरा नं. 812/2 का रकबा 4320 वर्गफुट भूमि नजूल पट्टा भूमि पर आवेदक के नाम से आबंटित की गयी है। नजूल भूमि के पट्टे कि अवधि 31/03/2024 को समाप्त हो चुकी है उक्त वर्णित भूमि के पट्टे का अवसान हो चुका हैं नजूल पट्टा को नवीनीकरण आवेदक के नाम से जारी किये जाने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तिल्दा के माध्यम से जांच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त। आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित तलवाना की प्रति प्रस्तुत किया गया हैं। जिसकी सुनवाई दिनांक 29/06/2026 को नियत है।

इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 10/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

प्रारूप-(एक) समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मै गौतम कुर्रे (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री व्यास नारायण कुर्रे निवासी गाँव/शहर ग्राम-सण्डी, पो. भानसोज, तहसील आरंग, जिला रायपुर छ.ग. राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र / सुपुत्री का नाम निकेश कुर्रे (NIKESH KURRE) (पुराना नाम) से बदल कर नुतेश कुर्रे (NUTESH KURRE) (नया नाम) रख लिया है ।

गौतम कुर्रे

कलेक्टर त्रिपाठी की पहल से महिमा के यूपीएससी सपनों को मिली नई उड़ान

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

गुरुवार को जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल ने एक प्रतिभाशाली छात्रा के सपनों को नई ताकत दी। यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही महिमा प्रजापति को कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की पहल पर आवश्यक प्रतियोगी पुस्तकों का सेट उपलब्ध कराया गया। आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रही छात्रा के लिए यह सहयोग न केवल अध्ययन सामग्री का सहारा बना, बल्कि उसके सपनों को आगे बढ़ाने का संबल भी साबित हुआ। महिमा प्रजापति वर्तमान में जिला ग्रंथालय में रहकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर समाज और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। हालांकि परिवार की सीमित आय के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की महंगी पुस्तकों की व्यवस्था करना उनके लिए चुनौती बना हुआ था।

महिमा ने बताया कि उनके पिता कृषि कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि उनकी माता गृहिणी हैं। आर्थिक अभाव के कारण आवश्यक अध्ययन सामग्री जुटा पाना कठिन हो रहा था, जिससे उनकी तैयारी प्रभावित होने लगी थी। ऐसे समय में जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई पुस्तकों ने उनके आत्मविश्वास को नई ऊर्जा दी है। कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय ने महिमा को यूपीएससी की तैयारी के लिए आवश्यक पुस्तकें प्रदान कीं। इस दौरान उन्होंने छात्रा का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियां कभी भी सफलता के मार्ग में स्थायी बाधा नहीं बन सकतीं। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। पुस्तकें प्राप्त करने के बाद भावुक हुई महिमा ने कलेक्टर और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोग उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है और अब वह अपने लक्ष्य की दिशा में पहले से अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगी। गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व महिमा अपनी समस्या लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची थीं।

कलेक्टर के हस्तक्षेप से किसान की बड़ी समस्या का हुआ समाधान

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

गुरुवार को जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से एक किसान की लंबे समय से चली आ रही परेशानी का समाधान हो गया। ग्राम अलका, तहसील चलगली निवासी किसान परमानंद पोया ने अपनी समस्या कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के समक्ष रखी थी, जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच कर तकनीकी त्रुटि को दूर कराया। किसान परमानंद पोया ने शिकायत में बताया था कि उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत लिए गए ऋण की राशि का समय पर भुगतान कर दिया था, लेकिन बैंक रिकॉर्ड में उनका ऋण खाता बंद नहीं हुआ। जांच में सामने आया कि जमा की गई राशि उनके खाते में दर्ज होने के बजाय गलती से किसी अन्य खातेदार के खाते में चली गई थी। इस कारण उनके नाम पर 1 लाख 17 हजार 289 रुपये का ऋण बकाया दिख रहा था और धान विक्रय से प्राप्त होने वाली राशि के आहरण पर रोक लग गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित नोडल अधिकारी और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को तत्काल जांच कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही संबंधित अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और 10 जून को शाखा कार्यालय चलगली में किसान की उपस्थिति में पूरे मामले की जांच की गई। जांच में पता चला कि धान खरीदी पोर्टल में हुई एक लिपिकीय त्रुटि के कारण परमानंद पोया के खाते के स्थान पर मनोज पटेल का खाता नंबर दर्ज हो गया था। इसी वजह से ऋण अदायगी की राशि गलत खाते में समायोजित हो गई थी। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद तकनीकी त्रुटि को तत्काल सुधारते हुए गलत खाते में जमा हुई राशि वापस लेकर परमानंद पोया के ऋण खाते में समायोजित की गई। इसके साथ ही किसान की समस्या का पूरी तरह निराकरण कर दिया गया। समस्या के समाधान के बाद किसान परमानंद पोया ने संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

भखारा में शिक्षा, कौशल विकास और जनसुविधाओं को मिलेगी नई रफ्तार : कलेक्टर

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कुरुद विकासखंड के भखारा क्षेत्र में शिक्षा, कौशल विकास और जनसुविधाओं के विस्तार को लेकर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने गुरुवार को भखारा पहुंचकर मिनी एजुकेशन सेंटर, लाइवलीहुड कालेज, स्किल सेंटर तथा छात्रावास परिसर का निरीक्षण किया और वहां संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास और बेहतर जनसुविधाएं किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला हैं। भखारा में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा रोजगारोन्मुखी अवसर उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि लाइवलीहुड कॉलेज और स्किल सेंटर के माध्यम से स्थानीय युवाओं को उनकी रुचि और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की

आर्थिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। छात्रावास परिसर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

दौरे के दौरान नगर पंचायत भखारा स्थित तालाब के सुंदरीकरण की योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि तालाब का विकास केवल सुंदरीकरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे नागरिकों के लिए एक आकर्षक और उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां चौपाटी, ओपन जिम, पाथ-वे सहित विभिन्न जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और आम लोगों को स्वास्थ्य, मनोरंजन तथा सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सार्वजनिक स्थलों के विकास से लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, वहीं स्थानीय पर्यटन और छोटे व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

ईस्तहार

रा.प्र.क्रमांक /...../ अ-20 (1) वर्ष 2025-2026
ग्राम तिल्दा प.ह.नं. 19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आनंद शर्मा 2. आशीष शर्मा पिता श्री संतोष शर्मा वार्ड नं. 12 तिल्दा-नेवरा, तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि ग्राम तिल्दा स्थित स्वामित्व एवं आधिपत्य नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 220044 का शीट नं. 12 खसरा नं. 250,251 का भाग रकबा 1966 वर्गफुट भूमि नजूल पट्टा भूमि पर आवेदक के नाम से आबंटित की गयी है। नजूल भूमि के पट्टे कि अवधि 31/03/2021 को समाप्त हो चुकी है उक्त वर्णित भूमि के पट्टे का अवसान हो चुका हैं नजूल पट्टा को नवीनीकरण आवेदक के नाम से जारी किये जाने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तिल्दा के माध्यम से जांच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त। आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित तलवाना की प्रति प्रस्तुत किया गया हैं। जिसकी सुनवाई दिनांक 25/06/2026 को नियत है।

इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 09/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

ईस्तहार

रा.प्र.क्रमांक /...../ अ-20 (1) वर्ष 2025-2026
ग्राम तिल्दा प.ह.नं. 19

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भरत गिलानी 2. दिलीप गिलानी पिता श्री मनोहर गिलानी वार्ड नं. 16 तिल्दा-नेवरा, तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि ग्राम तिल्दा स्थित स्वामित्व एवं आधिपत्य नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 14063 का शीट नं. 04 प्लाट नं. 5/1 का रकबा 7533 वर्गफुट भूमि नजूल पट्टा भूमि पर आवेदक के नाम से आबंटित की गयी है। नजूल भूमि के पट्टे कि अवधि 31/03/2024 को समाप्त हो चुकी है उक्त नजूल भूमि को नजूल पट्टा को नवीनीकरण आवेदक के नाम से जारी किये जाने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तिल्दा के माध्यम से जांच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त। आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित तलवाना की प्रति प्रस्तुत किया गया हैं। जिसकी सुनवाई दिनांक 25/06/2026 को नियत है।

इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 09/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./31892/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08/06/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31892
वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568G00257 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AJAY KUMAR JAIN पिता/पति श्री/श्रीमती KUNDAN LAL JAIN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती ADITYA CHATURVEDI पिता/पति श्री/श्रीमती ASHOK CHATURVEDI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02,

शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-4903223
Email ID:eocghbzone02@gmail.com
GST No. 22AAECA9783D2ZP

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत अवंति विहार तेलीबांधा रायपुर में स्थित एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-58, ब्लॉक-04, द्वितीय तल, श्रीमती ममता जैन पति श्री मनोज कुमार जैन के नाम से इस कार्यालय के पत्र कमांक- 130 दिनांक 03.06.2026 द्वारा नामांतरित है। वर्तमान में नामांतरी श्रीमती ममता जैन पति श्री मनोज कुमार जैन निवासी एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-58, ब्लॉक-04, द्वितीय तल, आकाश नगर, हाऊसिग बोर्ड कालोनी, शंकर नगर सरहद रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्री सुनील कुमार पिता श्री राम कुमार शुक्ला, पता- रूम. नं.- 191, महुआ मुर्रा, कानपुर देहात (उत्तर प्रदेश) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-02,
शंकर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला रायपुर में निर्मित भवन क्रमांक रोजवुड-I/126, श्री विजेन्द्र कटरे पिता श्री एल.सी. कटरे, के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 04.06.2013 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। आबंटी श्री विजेन्द्र कटरे पिता श्री एल.सी. कटरे, द्वारा दिनांक 21.03.2023 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत आबंटी द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्रीमती ललिता बघेल पति श्री एस.एल. बघेल, निवासी-54, अशोका लाईफ स्टाईल कालोनी, लोकमान्य तिलक वार्ड नम्बर-37, धरमपुरा नम्बर-03, जगदलपुर बस्तर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 24.08.2023 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन क्रेता श्रीमती ललिता बघेल पति श्री एस.एल. बघेल, द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03,
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्र.-C-76, श्रीमती छवि खंडेलवाल पति श्री अशोक कुमार खंडेलवाल, निवासी:-विला नं.-07, मारूति लाईफ स्टाइल, कोटा रोड, महोबा बाजार, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.-860, श्री अभिजीत देशपाण्डे पिता श्री दीपक देशपाण्डे के नाम पर इस कार्यालय का नामांतरण आदेश क्रमांक 300 दिनांक 31.10.2020 द्वारा नामांतरित है। नामांतरि श्री अभिजीत देशपाण्डे पिता श्री दीपक देशपाण्डे, निवासीः मकान नं.-849, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, फेस-1, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.) द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री अमर नाथ चंद्रा पिता श्री भेषज राम चंद्रा, निवासीः- म.नं.-19, वार्ड नं.-02, बघेल मोहल्ला, सुखापाली, जांजगीर चांपा (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-6(अ)/2025-26
रायपुर, दिनांक 08/06/2026
ग्राम टाटीबंध प.ह.नं. 54,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक रंजित सिंग राठौर पिता स्व. छोटेलाल राठौर निवासी 15/12 जवाहर नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-115 के तहत् अभिलेख दुरूस्ती करने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि, ग्राम - टाटीबंध, प.ह.नं. 54, रा.नि.म. रायपुर-02, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 338/126, 338/127, 338/130, 338/131 रकबा 0.0150 हे, 0.0920 हे, 0.0280 हे, 0.0740 हे, कुल रकबा 0.2090 हे. भूमि धारित है। उक्त भूमि के सहखातेदार सिद्धार्थ सेठिया पिता श्री एल.पी. %सेठिया द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति में से अपना 1/3 हिस्सा अर्थात 0.0697 हे. आवेदक अर्थात रंजित सिंग राठौर के पक्ष में हक त्याग विलेख दिनांक 02.07.2024 को निष्पादित किया गया है। हक त्याग विलेख निष्पादन उपरांत आवेदक को खसरा नंबर 338/126 को 1/3 हिस्सा अर्थात 0.0050 हे. भूमि, खसरा नंबर 338/127 का 1/3 हिस्सा अर्थात् 0.0306 हे, खसरा नंबर 338/130 का 1/3 हिस्सा अर्थात् 0. 0093 हे, 338/131 का 1/3 हिस्सा अर्थात 0.025 हे. भूमि प्राप्त हुई है। हकत्याग विलेख निष्पादन पश्चात् राजस्व अभिलेख में से हकत्याग कर्ता सिद्धार्थ सेठिया का नाम विलोपित होना था तथा खसरा नंबर 338/126 रकबा 0.0100 हे, खसरा नंबर 338/127 रकबा 0.0614 हे, खसरा नंबर 338/130 रकबा 0.0187 हे, खसरा नंबर 338/131 रकबा 0.0490 हे. भूमि आवेदक रंजित सिंग राठौर एवं हर्षदीप सिंग जुनेजा के नाम पर शेष रहनी थी किन्तु आनलाईन नामांतरण आदेश उपरांत वृटिवश हकत्यागकर्त्ता सिद्धार्थ सेठिया पिता एल.पी. सेठिया का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है। नामांतरण पश्चात् केवल आवेदक को खसरा नंबर 338/182 रकबा 0.0050 हे. भूमि, खसरा नंबर 338/183 रकबा 0.0306 हे, खसरा नंबर 338/184 रकबा 0.0093 हे, खसरा नंबर 338/185 रकबा 0.025 हे. भुमि प्राप्त होनी थी । हकत्याग केवल आवेदक के पक्ष में किया गया है किन्तु नामांतरण आदेश उपरांत दुरूस्ती में उक्त खसरा नंबर में सहमतिदाता हर्षदीप सिंग जुनेजा का नाम भी अंकित हो गया है जिसे विलोपित किये जाने का निवेदन किया गया है। अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 25/06/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 8/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर छत्तीसगढ़

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

द्वितीय निविदा क्र. 16/ नि.शा./ का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड, रायपुर, दिनांक 08/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	कार्य का नाम	राशि (रू.लाख में)
1	खरोरा आवर्धन जलप्रदाय योजना अंतर्गत 2.5 एम.एल.डी. क्षमता के जलशुद्धिकरण संयंत्र (स्ट्रक्चरली, हाइड्रोलिक एवं एस्थेटिकली) प्रदाय, निर्माण एवं कमिशनिंग तथा अन्य सिविल कार्य सहित। पानी में शेष कार्य इक्युपमेंट टेस्टिंग तथा 12 माह तक टेस्ट एवं ट्रायल रन कर चालू करना, समस्त सामग्री एवं कार्य सहित। (Balance work) (Risk & cost)	13.26

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.06.2026 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

G-262701362/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
रायपुर छत्तीसगढ़

2047 तक विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में लाना हमारा लक्ष्य-उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ''अंजोर विजन–2047'' के माध्यम से छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल योजनाओं के निर्माण से नहीं, बल्कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय, सटीक आंकड़ों पर आधारित नीति निर्माण और परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति से संभव होगा।

नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग में आयोजित स्टेट सपोर्ट मिशन (स्स्रू), प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट (क्क्ष्) एवं मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन (रू×श्व) यूनिट्स के इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा तैयार ''अंजोर विजन–2047'' राज्य के दीर्घकालिक विकास का

व्यापक रोडमैप है, जिसमें आर्थिक विकास, सुशासन, सामाजिक प्रगति, निवेश संवर्धन और मानव विकास से जुड़े स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्य (स्ष्ठत्र्य) और अंजोर विजन–2047 एक–दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों का मूल उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी विभागों को अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों को इन लक्ष्यों के अनुरूप क्रियान्वित करना होगा। इस दिशा में राज्य नीति आयोग के अंतर्गत गठित स्स्रू, क्क्ष् एवं रू×श्व इकाइयां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

श्री मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने नीति आयोग के स्ष्ठत्र इंडिया इंडेक्स 2023–24 में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। अब राज्य का लक्ष्य केवल सूचकांकों में सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाना है। उन्होंने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि उत्पादकता, औद्योगिक विकास, महिला श्रम भागीदारी, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को राष्टीय स्तर पर अग्रणी बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य नीति आयोग के साथ कार्य कर रही विशेषज्ञ टीमों को विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर ष्ठक्क्ष् आधारित समीक्षा, नीति विश्लेषण, निगरानी एवं मूल्यांकन तथा साक्ष्य आधारित सुझावों के माध्यम से विकास की गति को और तेज करना होगा। उन्होंने अधिकारियों एवं विशेषज्ञों से नवाचार, जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाने का आह्वान किया।

उपाध्यक्ष श्री मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (ह्रष्ठक्क) और राज्य नीति आयोग के संयुक्त प्रयासों से अंजोर विजन–2047 के लक्ष्य निर्धारित समयावधि में प्राप्त किए जा सकेंगे तथा छत्तीसगढ़ समावेशी, सतत और विकसित राज्य के रूप में नई पहचान स्थापित करेगा।उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा, जब छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त हुआ। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के उस संकल्प का उल्लेख किया, जिसमें बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने की बात कही गई थी।

शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 28 अधिकारियों के तबादले, कई जिलों में नए डीईओ पदस्थ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक कसावट और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्यभर में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 28 अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, सहायक संचालकों एवं प्राचार्यों को विभिन्न जिलों और कार्यालयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेगा।

अवर सचिव छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार महासमुंद, रायपुर, बिलासपुर, मनेंद्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर, कोरिया, बलौदाबाजार–भाटापारा,

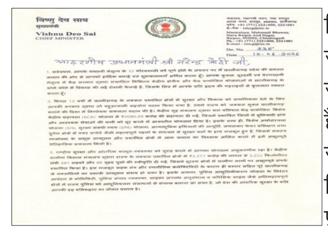

रायगढ़, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, बीजापुर, नारायणपुर और बालोद सहित अनेक जिलों में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की गई हैं। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय, संयुक्त संचालक कार्यालयों तथा अन्य प्रशासनिक इकाइयों में भी अधिकारियों की नई तैनाती की गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रभारी उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय श्री बी.एल. देवांगन को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद बनाया गया है। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर श्री हिमांशु भारतीय को प्रभारी उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ किया गया है। सहायक संचालक श्री एम.जी. सतीश कुमार को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर तथा प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर श्री विजय कुमार ताण्डे के स्थान पर श्री रमेश्वर जायसवाल को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार मनेंद्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर, कोरिया, बलौदाबाजार–भाटापारा, रायगढ़, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों में भी नए प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कई विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं सहायक संचालकों को पदोन्नत दायित्व सौंपते हुए जिला स्तर की जिम्मेदारियां दी गई हैं।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता दें- राज्यपाल डेका

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉक्टर कमलप्रीत सिंह ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने राज्य के विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति तथा वहां उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

राज्यपाल ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर देते हुए संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने तथा उनके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों की शिक्षा, छात्रावास सुविधा, विद्यालयीन अधोसंरचना और शिक्षकों की उपलब्धता से जुड़े विषयों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए, ताकि इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर प्राप्त हो सकें और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

हर घर नल से बदली जिंदगी

सहूलियत, सम्मान और सेहत...

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रोज सुबह उठते ही घर में नल से साफ पानी आते देखने की खुशी क्या होती है, इसे कमली से पूछिए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव को अपने आंगन में लगे नल से आ रहे पानी की धार को दिखाते खुशी से उनकी आंखें डबडबा गईं। जल जीवन मिशन ने कमली जैसी हजारों महिलाओं को अमूल्य खुशियां दी हैं। कभी पीने और निस्तारी के पानी के लिए दिनभर चिंतित रहने वाली इन महिलाओं का जीवन घर में लगे नल ने बदल दिया है।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव अपने चार दिनों के बस्तर प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन का काम देखने कमली के भी गांव पहुंचे। कमली के गांव बस्तर जिले के तोकापाल विकासखण्ड के दुगनपाल में उन्होंने कुछ और घरों में भी जाकर नल से पानी आते देखा। जल जीवन मिशन से घर में पानी पहुंचने की खुशी सभी महिलाओं के चेहरे पर दिख रही थी। जल जीवन मिशन दूरस्थ गांवों और वनांचलों की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। आधी आबादी के एक बड़े हिस्से को पीने के पानी के लिए रोज जूझना पड़ता था। खासतौर से गर्मियों के दिनों में जब हर साल सिर पर पानी के बर्तन का सफर कुछ सौ मीटरों से कुछ किलोमीटरों में बदल जाता था।

जीवन के लिए अनिवार्य जरुरत पानी की व्यवस्था गर्मियों में महिलाओं का जीवन दुष्कर बना देती थी। दुगनपाल में भी महिलाओं को रोज गांव के हैंडपंप या कुआं पर जाकर घर के सभी लोगों के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। घर में नल लग जाने से अब इस समस्या से निजात मिल गई है। जल जीवन मिशन के काम जैसे–जैसे पूरे होते जा रहे हैं, महिलाओं की बाहर से पानी लाने की चिंता और तकलीफ दूर होते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े आठ हजार से अधिक योजनाओं को पूर्ण कर संचालन के लिए पंचायतों को सौंपा जा चुका है। जल जीवन मिशन महज हर घर तक पेयजल पहुंचाने की योजना नहीं है। यह महिलाओं की दिनचर्या और जीवन में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। गांवों में परंपरागत रूप से घर में पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए पानी के इंतजाम का जिम्मा महिलाओं पर ही है। घर तक पानी की पहुंच न होने के कारण उन्हें हैंडपंपो, सार्वजनिक नलों, कुंओं या अन्य स्त्रोतों से रोज पूरे परिवार के लिए जल संग्रहण करना पड़ता है। रोजाना का यह श्रमसाध्य और समयसाध्य काम बारिश तथा भीषण गर्मी के दिनों में और कठिन हो जाता है। कई इलाकों में गर्मियों में जलस्त्रोतों के सूख जाने के कारण दूर–दूर से पानी लाने की मजबूरी रहती है। परिवार के लिए पानी की व्यवस्था हर दिन का संघर्ष बन जाता है। महिलाओं के दिन के कई घंटे इसी काम में निकल जाते हैं।

जल जीवन मिशन हर घर तक नल से जल पहुंचाने के साथ ही महिलाओं को कई समस्याओं से निजात दिला रहा है। घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचने से वे कई चिंताओं से मुक्त हो गई हैं। अब रोज–रोज पानी के लिए बहुत सारा श्रम और समय नहीं लगाना पड़ता। इससे उन्हें घर के दूसरे कामों, बच्चों की परवरिश, खेती–बाड़ी एवं आजीविका के अन्य कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है और वे इन कार्यों पर अपना हैं। महीने घर पर ही जलापूर्ति से दिनों में बाहर से पानी लाने की मुसीबत दूर हो गई है। गर्मियों में जलस्तर के नीचे चले जाने से तथा बरसात में लगातार बारिश से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

नई पीढ़ी को संस्कृति, कला और लोक परंपराओं की जानकारी देना समय की आवश्यकता है -बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, संगीत, नृत्य और आधुनिक रचनात्मकता के अद्भुत संगम का प्रतीक बना संस्कृति विभाग का बहुप्रतीक्षित कला प्रशिक्षण शिविर 卐आकार–2026卐 रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतिभागियों की शानदार प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हो गया। 25 मई से 9 जून तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर, रायपुर में आयोजित इस 16 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रदेशभर से आए 1281 प्रतिभागियों ने 16 विभिन्न कला विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी प्रतिभा को नई दिशा दी।

समापन समारोह में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्षा सुमोना सेन, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे तथा उप संचालक प्रताप चंद्र पारख सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी, प्रशिक्षु एवं अभिभावक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2004 में संस्कृति मंत्री रहते हुए उन्होंने 卐आकार卐 प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने तथा उन्हें राष्टीय और अंतरराष्टीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से यह पहल प्रारंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि इसकी लोकप्रियता को देखते हुए ऐसे आयोजन प्रदेश के सभी संभागों में आयोजित किए जाने चाहिए। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषणों, हस्तशिल्प के लिए स्थायी विक्रय केंद्र भी विकसित किए जाने चाहिए, जिससे कलाकारों को आर्थिक लाभ मिल सके और लोग छत्तीसगढ़ के आभूषण और हस्तशिल्प को देख और खरीद सकें।

अग्रवाल ने बच्चों को मिट्टी और प्रकृति से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि 卐जिस दिन बच्चे मिट्टी से जुड़ना और मिट्टी से सृजन करना सीख जाएंगे, उनका जीवन आनंद और संवेदनशीलता से भर जाएगा। नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, कला और लोक परंपराओं की जानकारी देना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि आकार केवल एक प्रशिक्षण शिविर नहीं।

रायपुर नगर पालिक निगम

आयुक्त संबित मिश्रा ने आपसी समन्वय बनाकर कार्य करके समस्या दूर करने के दिए निर्देश

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा ने नगर निगम मुख्यालय में बारिश पूर्व जलभराव की समस्या दूर करने रिंग रोड राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र के नालों की सफाई करवाकर निकास सुगम बनाने, सड़क मरम्मत के आवश्यक कार्य करवाने, यातायात बाधा दूर करने, जनसुविधाओं के सुचारु संचालन हेतु अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक ली, जिसमें आयुक्त ने डीआरएम कार्यालय के डिवीजनल इंजिनियर प्यारे मोहम्मद, लोक निर्माण विभाग

विधानसभा डिवीजन विशाल त्रिवेदी, लोक निर्माण विभाग डिवीजन – कार्यपालन अभियंता राजीव नशीने, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रभात सक्सेना, कार्यपालन अभियंता ब्रिज गुप्ता, मुख्य अभियंता पीएचई के के मरकाम, अधीक्षण अभियंता पीएचई एस. के. गौर, कार्यपालन निदेशक बिजली विभाग जे एस नेताम, कार्यपालन अभियंता बिजली विभाग सर्वए. के. निवडिंग, विनय चंद्राकर, वी. के. तिवारी, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण के पीडी पीआई दिग्विजय सिँग सहित नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू, विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता संजय बागड़े, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, इमरान खान, उपायुक्त स्वास्थ्य जसदैव सिंह बाबरा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, कार्यपालन अभियंता जल नर सिँह फरेन्द्र, सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, जोन स्वास्थ्य अधिकारियो, सहायक अभियंताओं की उपस्थिति में बैठक ली और सभी अधिकारियों को के की समन्वय रखकर सतत मॉनिटरिंग करके कार्य राज्य शासन की लोकहितेषी मंशा अनुरूप करवाने के निर्देश दिए.

रामनगर मुक्तिधाम में सफाई करवाकर और तत्काल कचरा परिवहन करवाकर प्राप्त जनशिकायत का किया त्वरित निदान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त जोन 7 अंतर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्रमांक 24 अंतर्गत रामनगर मुक्तिधाम में गंदगी से सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश पर जोन 7 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के मार्गनिर्देशन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में नगर निगम जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्रमांक 24 अंतर्गत रामनगर मुक्तिधाम में महिला सफाई मित्रों की टीम भेजकर तत्काल झाड़ू लगवाकर कचरा एकत्र कर उसका परिवहन करवाकर रामनगर मुक्तिधाम परिसर में स्वच्छता कायम करते हुए प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया.

टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत नगर निगम जोन 5 क्षेत्र में चंगोराभाठा पवार भवन के पीछे अनाधिकृत निर्माण पर कार्यवाही

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार एवं नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री लाल महेंन्द्र प्रताप सिँह, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश श्री आशुतोष सिंह जोन 5 सहायक अभियंता श्री नागेश रामटेके, उप अभियंता नगर निवेश श्री टिकेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में सम्बंधित रायपुर जिला यातायात पुलिस प्रशासन एवं रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता और नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग की टीम की उपस्थिति में नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 5 क्षेत्र अंतर्गत चंगोराभाठा पवार भवन के पीछे निर्माणाधीन 4 भवनों में स्थल पर थ्री डी मशीन की सहायता से भवनों में निर्मित दीवाल कॉलम बीम छज्जा एवं अन्य निर्माणों को हटाने की कार्यवाही की गयी.

जलभराव की समस्या दूर करने नालों की सफाई निरन्तर प्रगति पर

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 अंतर्गत नेताजी सुभाषचन्द्र बोस वार्ड क्रमांक 31 अंतर्गत कविता नगर नाला होकर गायत्री नगर, भावना नगर, सेल्स टेक्स कॉलोनी नाला क्षेत्र में बारिश पूर्व नालों की सफाई जलभराव की समस्या को दूर कर गंदे पानी की सुगम

निकासी बारिश पूर्व कायम करने नालों की सफाई का कार्य निरन्तर जारी है.निगम जोन 3 वार्ड 31 में कविता नगर नाला होकर गायत्री नगर, भावना नगर, सेल्स टेक्स कॉलोनी नाला की बारिश पूर्व सुगम निकास कायम कर जलभराव की समस्या दूर करने नालों की सफाई निरन्तर प्रगति पर

11 सौ वर्गफीट क्षेत्र में किये जा रहे अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के नेतृत्व एवं कार्यपालन अभियंता श्री अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता श्री अमन चंद्राकर, अनुराग पाटकर, उप अभियंता श्री लोचन चौहान, श्री अबरार खान एवं नगर निवेश विभाग टीम की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत संत रविदास वार्ड कमांक 70 क्षेत्र अंतर्गत रायपुरा डुप्सा तालाब के पास लगभग 1100 वर्गफीट क्षेत्र में किए जा

रहे अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही की गयी.

इसके साथ ही इन्द्रप्रस्थ कालोनी के पास स्थित वृंदावन कॉलोनी रायपुरा में लगभग 1000 –1000 वर्गफीट पर बिना अनुमति के 2 भवन/ मकान बनाये गए थे, जिसे तोड़ने की स्थल पर कार्यवाही की गयी.

वार्डों के विभिन्न स्थानों में सी एंड डी वेस्ट मिलने पर सड़क बाधा शुल्क एवं बिना ग्रीन नेट लगाए निर्माण कार्य करने को लेकर कार्यवाही करते हुए सम्बंधितों पर ई चालान कार्यवाही करते हुए कुल 7000 रुपए की वसूली की कार्यवाही की गयी।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत हेतु संपर्क करे : 9806044444

सम्पादकीय

भाखड़ा का जल स्तर

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है। निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है। जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत श्रृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है। यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है।

हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा। जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है। हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए। तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे।

पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन रही है जंगल की आग

विश्वभर में पर्यावरण के तेजी से असंतुलित और विषाक्त होते जाने के परिणाम अब गंभीर रूपों में सामने आते जा रहे हैं। ये प्रभाव रोकने के बावजूद भले ही सामान्य लोग इनका अनुभव नहीं कर पा रहे हों लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोधों और अनुसंधानों में इन्हें लेकर कोई भ्रम या अनिश्चितता नहीं है। विडंबना यह है कि सारी बातें साफ तौर पर सामने रख दिए जाने के बावजूद आम लोग ही नहीं बल्कि सरकारें तक सुधरने के लिए तैयार नहीं हैं। शोध बताता है कि आग से पैदा होने वाला प्रदूषण वायु गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल।

जंगल की आग (दावानल) एक अत्यंत विनाशकारी प्राकृतिक व मानवजनित आपदा है। यह अनियंत्रित आग चंद घंटों में हजारों हेक्टेयर वन भूमि, मूल्यवान पेड़ों और वन्यजीवों को राख में बदल देती है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है और भारी बर्बादी होती है।जंगल की आग के प्रभाव और नुकसान कई स्तरों पर महसूस किए जाते हैं। वन्यजीवों की मौत हो जाती है आग की चपेट में आने से कई जानवर, पक्षी और उनके बच्चे जिंदा जल जाते हैं। जो बच जाते हैं, उनके प्राकृतिक आवास और भोजन स्रोत नष्ट हो जाते हैं।आग के धुएं से भारी मात्रा में जहरीली गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं, सांस लेने में दिक्कत और वायु प्रदूषण होता है। बेशकीमती लकड़ियां, औषधीय पौधे और वनस्पतियां जलकर नष्ट हो जाती हैं। इसके अलावा, आग वाली जगह पर मिट्टी की उपजाऊ क्षमता खत्म हो जाती है।कई बार यह आग रिहायशी इलाकों तक पहुंच जाती है, जिससे लोगों के घर, खेत और मवेशी नष्ट हो जाते हैं। जानमाल का भारी खतरा पैदा हो जाता है।जंगल की आग में अकेले उत्तराखंड में वर्ष 2015 से अब तक 36 लोगों की जान ले चुकी है, जबकि 76 लोग घायल हुए। जंगलों की आग से निकलने वाले धुएं में सिर्फ कार्बन डाइऑक्साइड ही नहीं बल्कि कई ऐसे कार्बनिक यौगिक भी होते हैं जो ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी माना है कि गंगा के मैदानों की धुंध और अमेजन के जंगलों से उठने वाला धुआं वायु प्रदूषण को लगातार बढ़ा रहा है। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। संगठन ने एक उदाहरण के माध्यम से बताया है कि दो साल पहले अमेजन में लगी आग से निकला धुआं हजारों किलोमीटर दूर बसे शहरों तक पहुंचा और वहां की हवा को गंभीर रूप से प्रदूषित कर दिया। ऐसा ही एक अध्ययन बताता है कि 2001 के बाद से जंगलों की आग से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में करीब साठ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह भी बताया गया है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के बाहर मौजूद जंगलों में भी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में गंभीर इजाफा हुआ है। इन क्षेत्रों में हर साल करीब पचास करोड़ टन अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में जा रहा है। आमतौर पर जंगलों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है जिसके कारण उनके संरक्षण की दिशा में कदम भी नहीं उठाए जाते। विकसित देशों तक का यही हाल है। नतीजा यह है कि वनाग्नि जैसी घटनाएं होती हैं। बुझाने के उपाय न होने के कारण यह आग फैलती जाती है और पर्यावरण खतरनाक रूप से प्रदूषित होता जाता है। भारत में वर्तमान में भीषण गर्मी और सूखे के कारण जम्मू-कश्मीर (राजौरी के नौशेरा क्षेत्र) और हिमाचल प्रदेश (चंबा और कांगड़ा के नैना देवी क्षेत्र) के जंगलों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसके अलावा उत्तराखंड (चमोली और गढ़वाल क्षेत्र) के पहाड़ी इलाकों में भी अक्सर जंगलों में आग की समस्या बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा और बिंदी के जंगलों में भारी आग लगने के कारण चारों तरफ धुंआ फैल गया था, जिसे बुझाने के लिए दमकल और बचाव दल तैनात किए गए थे।हिमाचल प्रदेश में चंबा के सलोनी क्षेत्र और कांगड़ा के नैना देवी मंदिर के पास के जंगलों में भीषण आग की घटनाएं दर्ज की गई हैं। उत्तराखंड के चमोली के आदि बद्री क्षेत्र और कुमाऊं-गढ़वाल की पहाड़ियों में आग लगने के कारण काफी वन संपदा का नुकसान हुआ है। उत्तराखंड में इस साल 15 फरवरी से अब तक जंगल की आग की करीब 400 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे 331 हेक्टेयर से अधिक वन संपदा जलकर राख हो गई है। इस भीषण आग की चपेट में आने से कई बहुमूल्य वनस्पतियां, जीव-जंतु नष्ट हुए हैं और कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है। गढ़वाल मंडल सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहाँ 241 हेक्टेयर से अधिक का वन क्षेत्र जला है। इसके मुकाबले कुमाऊं मंडल में स्थिति थोड़ी बेहतर रही, जहाँ करीब 64 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। चमोली, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिले आग से सबसे ज्यादा प्रभावित है। बारिश की कमी, लंबे समय तक सूखा मौसम और लगातार बढ़ता तापमान जंगलों में आग लगने के मुख्य कारण है। उत्तराखंड के जंगलों में लग रही आग विकराल होती जा रही है।

इस दृष्टि से पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून, नैनीताल व उत्तरकाशी जिले अधिक संवेदनशील बनकर उभरे हैं। इन्हीं जिलों में जंगल सर्वाधिक धधक रहे हैं। ऐसे में चिंता और चुनौती दोनों ही बढ़ गए हैं। वर्तमान में राज्य के आठ जिलों के जंगलों में धधक रही आग का बड़ा कारण वहां पसरे चीड़ वन हैं। चीड़ की सूखी पत्तियों (पिरुल) की जमीन में जमा परत आग में घी का काम कर रही है। पहाड़ी ढलानों और तेज हवा के कारण आग कुछ ही समय में बड़े क्षेत्र को अपने आगोश में ले रही है। अल्मोड़ा, नैनीताल और पौड़ी में आबादी के करीब फैले घने चीड़ वन खतरे को और बढ़ा रहे हैं। उत्तरकाशी और टिहरी में कम वर्षा और बढ़ता तापमान जंगलों को सूखा बना रहा है। पिथौरागढ़ के जंगलों में भी आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस आग के पीछे मानवीय लापरवाही एक बड़ी वजह हैजंगलों में लगने वाली आग (दावानल) के लिए किसानों द्वारा खेतों में लगाई जाने वाली आग एक बहुत बड़ा और प्रमुख कारण है। अक्सर किसान खेत के अवशेषों (पराली/फसल के डंठल) को जल्दी साफ करने या नई फसल बोने के लिए खेतों में आग लगाते हैं। यदि सावधानी न बरती जाए, तो यह आग पास के जंगलों तक फैल जाती है। जंगल में बिखरे सूखे पत्तों को सफाई के लिए लगाई जाने वाली एक तिल्ली बेकाबू आग का कारण बन जाती है सरकार दूर लगातार ग्रामीणों को जागरूक करने और सजा के प्रावधान के बावजूद कुछ लोग अभी भी लापरवाही की तिल्ली जलाते हैं। इसका मुख्य कारण बढ़ता तापमान और लापरवाही माना गया है। इसलिए जंगलों की सुरक्षा के उपाय खोजे जाने और उनमें लगने वाली आग को समय रहते बुझाने की व्यवस्था किया जाना जरूरी है। वरना इस आग से निकलने वाले धुएं का प्रदूषण न जाने कितनी गंभीर समस्याएं पैदा करता रहेगा।जंगलों में आग को रोकने और उसके नुकसान को कम करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक उपायों का संयोजन आवश्यक है। त्वरित और प्रभावी रोकथाम के लिए फायर लाइन्स का निर्माण करना चाहिए। जंगलों के बीच चौड़ी पट्टियाँ बनाई जाती हैं ताकि आग एक हिस्से से दूसरे हिस्से में न फैल सके। इनकी समय पर सफाई बहुत जरूरी है। सर्दियों या गर्मियों की शुरुआत में, जब मौसम ठंडा हो, तो जंगल के सूखे पत्तों और टहनियों को नियंत्रित तरीके से जला दिया जाता है ताकि गर्मियों में ईंधन न बचे। वन विभाग की टीमों के पास आधुनिक उपकरण, अग्निशमन सूट और ब्लोअर होने चाहिए।सरकार को ग्रामीणों को और अधिक जागरूक करने के लिए प्रभावी उपाय भी करने होंगे ताकि प्रकृति को होने वाले इस नुकसान से बचाया जा सके क्योंकि इस की कोई भरपाई संभव नहीं है।

ब्रिक्स और कृषि व्यापार की नई दिशा

एम.एल. जाट

(आईसीएआर के महानिदेशक तथा डीएआरई के सचिव)

स्मिता सिरोही

(आईसीएआर के एम.एस. स्वामीनाथन चेयर की राष्ट्रीय प्रोफेसर और डीएएफ एंड डब्ल्यू की पूर्व संयुक्त सचिव (जी20/ब्रिक्स) हैं)

भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ऐसे समय कर रहा है जब कृषि व्यापार की चर्चा केवल शुल्क और बाजार पहुंच तक सीमित नहीं रह गई है। जलवायु संकट, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव, उर्वरकों की आपूर्ति में रुकावट, सतत उत्पादन से जुड़े मानक, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की डिजिटल जानकारी तथा संकट के समय बाजारों को खुला रखने की जरूरत अब कृषि व्यापार के अहम मुद्दे बन चुके हैं।

कृषि क्यों महत्वपूर्ण है : ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह समूह अब दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार एवं विकास संस्था, अंकटाड, के हालिया आकलन के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 2003 के बाद तेरह गुना से अधिक बढ़ा है और 2024 में 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। कृषि इस बड़े व्यापारिक परिदृश्य का केवल एक हिस्सा हो सकती है, लेकिन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से यह सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में है। जब खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, उर्वरकों की आपूर्ति रुकती है या समुद्री मार्गों में अनिश्चितता आती है, तो इसका सीधा असर किसानों, उपभोक्ताओं और सरकारों पर पड़ता है। इसलिए कृषि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं। ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है। रूस अनाज और उर्वरकों में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। भारत चावल, समुद्री उत्पाद, मसाले, भैंस के मांस और छोटे किसानों से जुड़ी कई कृषि वस्तुओं में मजबूत स्थिति रखता है। चीन खाद्य पदार्थों का बड़ा आयातक और प्रसंस्करण करने वाला देश है। दक्षिण अफ्रीका इस समूह को अफ्रीका के महत्वपूर्ण कृषि-खाद्य बाजारों से जोड़ता है। नए सदस्य भी इसमें नए आयाम जोड़ते हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब लॉजिस्टिक्स, वित्त और खाद्य सुरक्षा निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। मिस्र और इथियोपिया अफ्रीका की खाद्य प्रणाली से जुड़ी चिंताओं को सामने लाते हैं, जबकि इंडोनेशिया पाम ऑयल, मत्स्य क्षेत्र और उष्णकटिबंधीय कृषि की ताकत जोड़ता है।

आपसी ताकतों को ठोस व्यवस्था में बदलना : लेकिन केवल बड़े पैमाने और आपसी ताकतों के मेल से अपने-आप मजबूत व्यापार व्यवस्था नहीं बनती। आगामी ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक भारत को यह अवसर देती है कि वह सहयोग को कुछ ठोस दिशाओं में आगे बढ़ाए। इनमें भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था, बीज, उर्वरक और अन्य उत्पादन सामग्री की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, बेहतर बाजार जानकारी और ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं शामिल हैं जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी हो। भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था को शुरुआती प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कृषि व्यापार में केवल माल भेजना पर्याप्त नहीं है; यह भी उतना ही जरूरी है कि उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्रोत पर भरोसा हो। कृषि व्यापार सुविधा पर 2024 के ब्रिक्स सिद्धांत पहले ही खाद्य सुरक्षा, पशु-पौध स्वास्थ्य और तकनीकी मानकों से जुड़े सहयोग, एक-दूसरे के मानकों को स्वीकार करने की व्यवस्था, कम व्यापार लागत और डिजिटल व्यापार सुविधा जैसे बुनियादी मुद्दों को मान्यता देते हैं। भारत इस एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल प्रमाणपत्रों, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की भरोसेमंद डिजिटल जानकारी, नियामकों के बीच तेज संवाद और उत्पादकों व निर्यातकों की क्षमता निर्माण पर जोर दे सकता है। दूसरी प्राथमिकता मजबूत आपूर्ति श्रृंखला होनी चाहिए। खाद्य व्यापार को उर्वरक, ऊर्जा, पशु आहार, बीज, ढुलाई-भंडारण और वित्त से अलग करके नहीं देखा जा सकता। भारत के लिए यह कोई दूर की चिंता नहीं है। उसके उर्वरक और ऊर्जा आयात का आधे से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आता है। इसलिए उत्पादन सामग्री की सुरक्षा सीधे कृषि की मजबूती से जुड़ी हुई है। पश्चिम एशिया के हालिया संकटों ने दिखाया है कि खाद्य पदार्थों के बाजार तक पहुंचने से बहुत पहले ही उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसलिए ब्रिक्स सहयोग में उर्वरकों और अन्य उत्पादन सामग्री के बाजारों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, भंडार और कीमतों पर पारदर्शी जानकारी, और जरूरी कृषि सामग्री की आपूर्ति में अचानक आने वाली रुकावटों को कम करने की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। तीसरी प्राथमिकता बेहतर बाजार जानकारी है। ब्रिक्स अनाज विनिमय का विचार इस बात की जरूरत को दिखाता है कि खाद्य बाजारों में अधिक पारदर्शिता, बेहतर मूल्य संकेत और खाद्य सुरक्षा की तैयारी होनी चाहिए। भारत इस दिशा में ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच के भीतर कृषि बाजार जानकारी से जुड़ी एक व्यवस्था का प्रस्ताव रख सकता है। यह मंच पहले से ही 'ज्ञान से कार्य' की दिशा में विकसित किया जा रहा है। ऐसी व्यवस्था खाद्य भंडार, फसल की स्थिति, उर्वरक कीमतों, जहाजरानी जोखिमों, खाद्य सुरक्षा और पशु-पौध स्वास्थ्य से जुड़े अलर्ट तथा प्रमुख कृषि जिंसों के रुझानों पर नियमित जानकारी दे सकती है। इससे देश संकट गहराने से पहले ही तैयारी कर सकेंगे।

व्यापार को किसान-केन्द्रित बनाना : चौथी प्राथमिकता ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं होनी चाहिए जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि कृषि व्यापार केवल बड़ी मात्रा में अनाज, तेल, चीनी या अन्य जिंसों की खरीद-बिक्री तक सीमित रह गया, तो उससे छोटे किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीमित लाभ ही मिलेगा। कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन 2026 से निकली दिल्ली घोषणा ने कृषि-खाद्य व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका, नेतृत्व और भागीदारी को केंद्र में रखा है। भारत इस भावना को ब्रिक्स के कृषि व्यापार एजेंडे में आगे बढ़ा सकता है, ताकि छोटे किसानों, विशेषकर महिला किसानों और ग्रामीण युवाओं को केवल बाजार के लिए उत्पादन करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक प्रभावी भागीदारी का अवसर मिले। इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य खाद्य पदार्थों से जुड़े किसी बंद गुट का निर्माण करना नहीं है। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृषि व्यापार एक अनिश्चित दुनिया में खाद्य सुरक्षा, किसानों और उपभोक्ताओं के लिए बेहतर ढंग से काम करे। भारत इस एजेंडा को आकार देने की दृष्टि से सही स्थिति में है क्योंकि उसे खाद्य सुरक्षा के प्रबंधन, छोटे किसानों पर आधारित कृषि, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और कृषि अनुसंधान का खासा अनुभव है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता इस एजेंडे को व्यावहारिक रूप देने का समय पर मिला अवसर है। छोटे लेकिन सुविचारित कदम भी संकट के समय कृषि व्यापार को अधिक भरोसेमंद, नियमों की दृष्टि से अधिक पारदर्शी और किसानों के लिए अधिक सुलभ बना सकते हैं। यह अधिक मजबूत, भरोसेमंद और किसान-केंद्रित कृषि व्यापार व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

फाइबर अर्थव्यवस्था : भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

स्थानीय प्रचुरता से सतत सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में वैश्विक नेतृत्व तक

गिरिराज सिंह

(केंद्रीय वस्त्र मंत्री)

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। 'बुनी हुई हवा' कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस्ते महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है। दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाजारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है। न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ, फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोजिट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं। बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं। इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले 'मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी' के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र- खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु - अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाजार विकास के लिए - पर आधारित है । इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर -20°C तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10% हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5-2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है। केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। भाँग भी एक उभरता हुआ वैश्विक बाजार बन रहा है, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जिसकी खेती की पहले से ही अनुमति है। फ्लैक्स, सिसल, रेमी, पीएएलएफ, बिछुआ या नेटल और कपोक जैसे फाइबरों के साथ मिलकर ये सभी भारत के टिकाऊ एवं प्राकृतिक फाइबर आधार का निरंतर विस्तार कर रहे हैं। इस वैज्ञानिक गति को आगे बढ़ाते हुए,न्यू एज फाइबर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जहाँ विज्ञान, नीति और उद्यम एक साथ आ सके। इसने शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, किसान संगठनों, उद्योग जगत के दिग्गकजों और नीति-निर्माताओं को एक ही मंच पर एकत्रित किया। सभी दस प्राथमिकता प्राप्त फाइबर्स को कवर करने वाले तीन कार्य बलों की रिपोर्टें जारी की गईं, जिन्होंने क्षेत्रीय विज्ञान को सीधे योजनाओं के डिजाइन और निवेश की प्राथमिकताओं में बदल दिया। इस सेमिनार ने मानकों, प्रसंस्करण अवसंरचना और संस्थागत वित्तपोषण में मौजूद खामियों की भी स्पष्ट रूप से पहचान की , जो एक ऐसे मिशन को दर्शाता है जो केवल नीति नहीं, बल्कि वास्तविक क्रियान्वयन पर केंद्रित है। इसमें प्रमुख प्राथमिकताएँ: उत्पादन को पाँच वर्षों में 10,000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचाना, गुणवत्ता मानकों का विकास करना, मशीनरी के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना, आयातित प्रसंस्करण तकनीक पर निर्भरता कम करना और खेती से लेकर मूल्य संवर्धन तक क्लस्टर आधारित फाइबर इकोसिस्टम का निर्माण करना सामने आईं। ये सभी कदम मिलकर न्यू एज फाइबर्स को ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मिशन बनाते हैं। शायद सबसे परिवर्तनकारी कार्य फाइबर ब्लेंडिंग है। भारत की वास्तविक शक्ति किसी एक फाइबर में नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी से संयोजित करने में निहित है जैसे थर्मल हल्केपन के लिए मिल्कवीड, गर्माहट के लिए ऊन, ब्रीदेबिलिटी के लिए बांस, और कोमलता के लिए कपास। मिश्रित कपड़ा या ब्लेंडेड फैब्रिक कोई समझौता नहीं है; यह प्रदर्शन को उन्नत बनाना है - ऐसे कपड़े तैयार करना जो अधिक मजबूत, अधिक स्मार्ट और अधिक टिकाऊ हों, साथ ही बेहतर आराम, नमी सोखने की क्षमता, टिकाऊपन तथा फैशन, जीवनशैली और तकनीकी वस्त्रों में बहुपयोगिता प्रदान करें। इसके लाभ पूरी मूल्य श्रृंखला में फैलते हैं। उपभोक्ताओं को बेहतर आराम और कार्यक्षमता मिलती है, निर्माताओं को प्रीमियम और विशिष्ट उत्पाद विकसित करने का अवसर मिलता है, और किसानों को विविध प्रकार की मांग तथा अधिक मजबूत आय प्राप्त होती है। भारत के लिए, ब्लेंडिंग या मिश्रण केवल एक तकनीकी नवाचार भर नहीं है; यह कच्चे फाइबर आपूर्ति से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, मूल्य-संवर्धित और भारतीय पहचान से जुड़े ब्रांड्स तक पहुँचने का एक सेतु है। असल में, न्यू एज फाइबर मुहिम जीवन को रूपांतरित करने, किसानों के लिए अवसर सृजित करने, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बनाने, महिलाओं को सशक्त करने और उद्यमियों को स्थानीय संसाधनों से वैश्विक व्यवसाय खड़ा करने में सक्षम बनाने के बारे में है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रक मोदी के 5एफ विजन खेत से फाइबर, कपड़े से फैशन और विदेश तक से प्रेरित, भारत की ग्रीन फाइबर क्रांति कोई दूर का सपना नहीं है। रणनीति तय है, संस्थान सक्रिय हैं, विज्ञान प्रमाणित हो चुका है, और उद्यमी तैयार हैं। आज भारत जो कर रहा है फाइबर दर फाइबर, मिश्रण दर मिश्रण, क्षेत्र दर क्षेत्र, और खेत दर खेत अपनी वस्त्र गाथा का अगला महान अध्याय लिख रहा है।

गड़बड़ी रोकने के लिए बनेगा ई-एचआरएमएस पोर्टल-राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पुनर्वास मंत्री टंक राम वर्मा ने आज अपने निवास कार्यालय में विभाग के आला अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में आम जनता को राहत देने और शासकीय योजनाओं में तेजी लाने के लिए मंत्री वर्मा ने कड़े तेवर दिखाते हुए कई बड़े फैसले किए। इस बैठक में सचिव सुशम्मी आबिदी, संचालक विनीत नंदनवार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल भू-अभिलेखों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जमीन संबंधी रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या साइबर खतरे को रोकने के लिए सरकार अब सख्त कदम उठाने जा रही है। बैठक में मंत्री वर्मा ने डिजिटल भू–अभिलेखों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के लिए एक अभेद्य कार्ययोजना तैयार करने की बात कही, जिससे जनता का डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहे।

ई–एचआरएमएस पोर्टल से रखी जाएगी नजर

राजस्व विभाग के समस्त अधिकारी–कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को ट्रैक करने के लिए श्व।क्रस्र्स(इलेक्ट्रॉनिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल बनाया जाएगा। इस पोर्टल पर उनकी पदस्थापना, अवकाश, विभागीय जांच, गोपनीय प्रतिवेदन और अचल संपत्ति की पूरी जानकारी हर वक्त अपडेट रहेगी।

राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए मंत्री वर्मा ने प्रदेश भर के जिलों में 3 वर्ष या उससे अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थ तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक/सहायक अधीक्षक (भू–अभिलेख) और राजस्व

राजस्व मंत्री का कड़ा रुख - 15 अगस्त तक पूरा करें नगरीय पट्टा वितरण सर्वे

निरीक्षकों की सूची तलब की है. इसके साथ ही, एक ही हल्का में 3 साल से ज्यादा समय से जमे पटवारियों का भी पूरा ब्यौरा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

15 अगस्त तक हर हाल में पूरा हो पट्टा वितरण सर्वे

नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और पात्र हितग्राहियों को पट्टा देने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मंत्री टंक राम वर्मा ने समय–सीमा तय कर दी है। उन्होंने कड़े निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को पट्टा वितरण करने हेतु सभी आवश्यक सर्वे कार्य आगामी 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से पूरे कर लिए जाएं, ताकि समय पर उन्हें मालिकाना हक मिल सके।

शासकीय लीज नवीनीकरण से बढ़ेगा राजस्व

बैठक में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने शासकीय जमीनों के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन शासकीय भूमियों की लीज समाप्त हो चुकी है, तत्काल नवीनीकरण की प्रकिया हेतु संबंधित को सूचित किया जाए। इसके साथ ही, शासन द्वारा लीज पर दी गई जमीनों की समीक्षा कर नियमों के तहत उचित शुल्क निर्धारण करने को कहा गया।

राज्यपाल डेका से लेखिका अग्रवाल ने की मुलाकात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में लेखिका श्रीमती पूजा अग्रवाल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने अपनी स्वरचित कहानी संग्रह 'माटी के पंख' की प्रति राज्यपाल को भेंट की।

लेखिका ने राज्यपाल को पुस्तक की विषय–वस्तु से अवगत कराते हुए बताया कि यह कहानी संग्रह प्रकृति संरक्षण का संदेश देती है। पुस्तक में मानवीय संवेदनाओं और प्रकृति के बीच के गहरे संबंधों को विभिन्न कहानियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

राज्यपाल ने पुस्तक के विषय और उसके संदेश की सराहना करते हुए कहा कि प्रकृति के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने लेखिका पूजा अग्रवाल को उनके रचनात्मक प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं तथा पुस्तक के व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचने की कामना की।

बस्तर में दूध, खेतों तक पानी, युवाओं को काम और गांवों को नई पहचान

नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रखा विकसित छत्तीसगढ़ का विजन

नई दिल्ली, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में नक्सलवाद से मुक्त बस्तर की नई तस्वीर देश के सामने रखी। उन्होंने कहा कि दशकों तक हिंसा की मार झेलने वाला बस्तर अब आर्थिक पुनरुत्थान, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और कृषि आधारित विकास का मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर के आदिवासी परिवारों की आय दोगुनी करने, दुग्ध क्रांति लाने, 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, पर्यटन को बड़े उद्योग के रूप में विकसित करने तथा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–2047 के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। वहां दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है, खेतों तक पानी पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, गांवों में डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में बस्तर के परिवारों की मासिक आय बढ़ाकर 30 हजार रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बस्तर के लगभग 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। सरकार खेती, पशुपालन, वन उपज, छोटे उद्योग और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में 卐डेयरी मॉडल卐 को तेजी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत आदिवासी परिवारों को दुधारू गाय और भैंस उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य गांवों में स्थायी आय का स्रोत तैयार करना है। इस पहल से महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा गांवों में डेयरी केंद्र, दूध संग्रहण, परिवहन और स्थानीय बाजार जैसी नई आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले दो बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इंद्रावती नदी क्षेत्र में सालभर पानी उपलब्ध होने से खेती बेहतर होगी, उत्पादन बढ़ेगा और किसान धान के साथ–साथ सब्जियां, फल तथा अन्य नकदी फसलें भी उगा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगभग 36 लाख लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार की जा रही है। इससे मरीजों के इलाज, बीमारी और दवाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा तथा डॉक्टरों को समय पर सही जानकारी मिल सकेगी। इसका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगा।

उन्होंने बताया कि बस्तर में बने लगभग 200 सुरक्षा शिविरों को अब 卐सेवा डेरा卐 के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बैंकिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

मंत्री राजवाड़े की पहल से बृजेश्वर सागर जलाशय के नवीनीकरण हेतु 4.94 करोड़ स्वीकृत

464 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा होगी सुदृढ़, किसानों को मिलेगा प्रत्यक्ष लाभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से सूरजपुर जिले के विकासखंड भैयाथान स्थित बृजेश्वर सागर जलाशय योजना के नवीनीकरण कार्य के लिए 4 करोड़ 94 लाख 13 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के माध्यम से क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा तथा किसानों को बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत इस कार्य के पूर्ण होने पर 464 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। इससे किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा, कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी तथा क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सिंचाई संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

बृजेश्वर सागर जलाशय के नवीनीकरण से भैयाथान क्षेत्र के किसानों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा और खेती अधिक लाभकारी बन सकेगी।

योजना के क्रियान्वयन के लिए मुख्य अभियंता, हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग, अम्बिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। यह परियोजना क्षेत्र में जल संरक्षण एवं कृषि विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सुशासन तिहार में मछुआ सहकारी समिति को मिला एनएफडीपी प्रमाण पत्र और मत्स्य जाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

/ सुशासन तिहार 2026 के समापन अवसर पर राज्य सरकार की मत्स्य विकास एवं मछुआ कल्याण योजनाओं के तहत सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड स्थित कालामाजन जलाशय में मत्स्य पालन कार्य कर रही आदिवासी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, कालामाजन को राष्ट्रीय मत्स्य विकास कार्यक्रम (एनएफडीपी) के अंतर्गत प्रमाण पत्र एवं मत्स्य जाल प्रदान किए गए। इस पहल से समिति के सदस्यों को आधुनिक मत्स्य पालन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा ने समिति के प्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र एवं मत्स्य जाल वितरित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री प्रतिनिधि श्री ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ने की। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि राज्य शासन मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास, मछुआरों की आजीविका सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र मछुआ समितियों और हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। जिला प्रशासन सूरजपुर के मार्गदर्शन में मत्स्य विभाग द्वारा जिले में मत्स्य विकास संबंधी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। कालामाजन जलाशय में कार्यरत समिति को मिली इस सहायता से मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होने के साथ–साथ सदस्यों की आय और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं आधुनिक मत्स्य पालन को प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कुसुम सिंह, जनपद पंचायत ओड़गी की अध्यक्ष श्रीमती इन्द्रमणि पैकरा, मंडल अध्यक्ष श्री सत्यनारायण पैकरा सहित जनप्रतिनिधियों, मत्स्य विभाग के अधिकारियों, समिति के सदस्यों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। लाभार्थी समिति के प्रतिनिधियों ने राज्य शासन, जिला प्रशासन और मत्स्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राप्त संसाधनों से मत्स्य पालन गतिविधियों का विस्तार और बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा।

राज्यपाल से परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के महानिदेशक सुब्रत साहू के नेतृत्व में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल डेका ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि अपना कर्तव्य भली–भांति निभाते हुए देश और समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें। आम आदमी को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दें साथ ही अपने अधीनस्थों के प्रति भी संवेदनशील रहें।राज्यपाल डेका ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि अपना कर्तव्य भली–भांति निभाते हुए देश और समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें। आम आदमी को न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दें साथ ही अपने अधीनस्थों के प्रति भी संवेदनशील रहें। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, संचालक छत्तीसगढ प्रशासनिक अकादमी टी सी महावर, प्रशिक्षण निदेशक प्रणव सिंह सहित परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी गोकुल आर. के., वदथ्यवथ यशवंत नाइक एवं इशांत जायसवाल उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री की लापरवाही के चलते 5 नये मेडिकल कॉलेज मान्यता पर एनएमसी ने लगाई रोक-धनंजय सिंह

मनेन्द्रगढ़, गीदम, कवर्धा, कुनकुरी, जांजगीर में मेडिकल कालेज खोलने पर एनएमसी ने लगाई रोक, बड़ी लापरवाही उजागर

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

पांच नये मेडिकल कॉलेज खोलने पर एनएमसी की रोक के लिए स्वास्थ्य मंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार पांच नये मेडिकल कालेज खोलने को लेकर गम्भीर नही थी। कांग्रेस सरकार ने दिसम्बर 2022 में कवर्धा, जांजगीर–चांपा, मनेंद्रगढ़ और दंतेवाड़ा में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। बिल्डिंग एवं अस्पताल और अन्य मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने फंड भी स्वीकृत किया गया था लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा सरकार दो साल तक कॉलेज बिल्डिंग एवं अस्पताल भवन बनाने टेंडर की प्रक्रिया ही शुरू नहीं की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने गृह जिला जशपुर के कुनकुरी में मेडिकल कालेज बनाने की घोषणा की वहां भी अभी तक कोई मेडिकल कॉलेज के लिए विकास कार्य शुरू नहीं हुआ। ये तो घोर लापरवाही है जिसके चलते मनेन्द्रगढ़, गीदम, कवर्धा, कुनकुरी, जांजगीर में मेडिकल कालेज खोलने पर एनएमसी ने रोक लगा दी। स्वास्थ्य मंत्री ने नेशनल मेडिकल कमीशन के मेडिकल कॉलेज खोलने के तय मापदंडों को पूरा करने में रुचि नहीं दिखायी। बल्कि एनएमसी को मेडिकल कॉलेज के लिए बिल्डिंग एवं अस्पताल के सम्बंध में गलत जानकारियां दी गई। जिसे एनएमसी ने सैटेलाइट निरीक्षण के पश्चात गलत पाया और पांचों नये मेडिकल कॉलेज को मान्यता नहीं दी।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल को मनेन्द्रगढ़ एवं कुनकुरी, गीदम, कवर्धा, जांजगीर की जनता को बताना चाहिए उनके जिले में मेडिकल कालेज नहीं खुलने के लिए जिम्मेदार कौन है? स्वास्थ्य विभाग ने मनेन्द्रगढ़ सहित अन्य चार स्थानों में मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया की गलत जानकारी एनएमसी को क्यों दी? मनेन्द्रगढ़ सहित अन्य चार स्थानों में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए बिल्डिंग एवं अस्पताल क्यों नहीं बनवाई गई?

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में पांच नये मेडिकल कॉलेज खुलते तो जनता को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य की सुविधा मिलती। डॉक्टर बनने के इच्छुक युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई करने का अवसर मिलता। मेडिकल की सीटें बढ़ती। भविष्य में डॉक्टरों की कमी दूर होती। लेकिन भाजपा सरकार की लापरवाही ने युवाओं के सपने को कुचला है, जनता के साथ धोखा किया है। पांच मेडिकल कॉलेज की अनुमति नहीं मिलने के लिए जवाबदार लोगों पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। सरकार प्राथमिकता से मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग एवं अस्पताल भवन का निर्माण कराए, जरूरी सुविधा उपलब्ध कराए ताकि आने वाले समय में मेडिकल कॉलेज खुलने का रास्ता साफ़ हो।

छत्तीसगढ़ में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की 27वीं क्षेत्रीय बैठक संपन्न

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

केंद्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय 27वीं बैठक आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने की। गुप्ता ने निर्देश दिए है कि मृत्यु प्रकरणों में तेजी से ईएसआईसी के साथ समन्वय कर उद्योगों में होने वाले आकस्मिक मृत्यु प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर तत्काल निपटाया जाए। सचिव ने कहा कि निष्क्रिय भविष्य निधि खातों के लाभार्थियों की पहचान कर उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में प्रत्येक माह की 27 तारीख को आयोजित निधि आपके निकट कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, ईएसआईसी सहायक श्रम आयुक्त, उप श्रम आयुक्त एवं संबंधित राज्य सरकार के विभागों को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाए।

बैठक का संचालन सदस्य सचिव एवं क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त जयवदन इंगले द्वारा किया गया। क्षेत्रीय भ.नि. आयुक्त जयवदन इंगले ने बैठक में संगठन की व्याप्ति, न्यायालयीन प्रकरणों, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, कर्मचारी पंजीकरण योजना 2025, प्रयास, तत्पर, कन्वर्जेंस बैठक तथा नवीन साइट्स प्रोजेक्ट की प्रगति पर जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे नियोक्ताओं एवं पीएफ सदस्यों को निधि आपके निकट कार्यक्रम में भाग लेकर समस्याओं का समाधान कराने हेतु प्रोत्साहित करें।उल्लेखनीय है कि कर्मचारी भविष्य निधि क्षेत्रीय समिति प्रत्येक राज्य में सांविधिक प्रावधानों के तहत गठित एक महत्वपूर्ण परामर्शदात्री समिति है। बैठक में छत्तीसगढ़ में ईपीएफ अधिनियम के अनुपालन, सामाजिक सुरक्षा लाभों के विस्तार तथा कार्यालय की उपलब्धियों एवं चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

महतारी वंदन योजना बनी मातृत्व सम्मान और परिवार की खुशहाली का आधार

नियमित आर्थिक सहयोग से बच्चों की शिक्षा, पोषण और भविष्य को मिल रही नई दिशा

दंतेवाड़ा, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांमहतारी वंदन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण और परिवार की खुशहाली का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के माध्यम से मिलने वाली मासिक सहायता राशि महिलाओं को परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने, बच्चों की शिक्षा और पोषण पर ध्यान देने तथा घरेलू जिम्मेदारियों को अधिक आत्मविश्वास के साथ निभाने में सहयोग प्रदान कर रही है।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड की निवासी श्यामपति भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जिनके जीवन में महतारी वंदन योजना ने नई उम्मीदों का संचार किया है। उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त होती है, जिसका उपयोग वे अपने बच्चों की पढ़ाई, पोषण, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और घर–परिवार के दैनिक खर्चों की पूर्ति में करती हैं। श्यामपति बताती हैं कि पहले परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की शिक्षा पर नियमित खर्च करने में कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब हर माह मिलने वाली सहायता राशि से बच्चों के लिए कॉपी–किताब, शैक्षणिक सामग्री और पौष्टिक भोजन की व्यवस्था करना आसान हो गया है। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम हुआ है, बल्कि बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर उनका विश्वास भी मजबूत हुआ है।वे कहती हैं कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक सहयोग के साथ–साथ आत्मविश्वास भी दिया है। अब वे परिवार की आवश्यकताओं में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं और जरूरत पड़ने पर बच्चों की छोटी–बड़ी जरूरतों को बिना किसी संकोच के पूरा कर पा रही हैं। योजना से मिलने वाली सहायता राशि परिवार के लिए संबल बन गई है। महतारी वंदन योजना का लाभ आज प्रदेश की लाखों महिलाओं तक पहुंच रहा है। जून 2026 में जारी 28वीं किस्त के साथ योजना के अंतर्गत महिलाओं को अब तक 18 हजार 165.19 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। यह राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ–साथ परिवारों के सामाजिक और आर्थिक जीवन स्तर को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। श्यामपति का मानना है कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की माताओं और बहनों को नई ताकत, नया विश्वास और बेहतर भविष्य की उम्मीद दी है।

किसानों को समय पर खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें-कलेक्टर आकाश छिकारा

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समय–सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर आकाश छिकारा ने बीज एवं खाद वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए तथा यूरिया, डीएपी एवं एनपीके खाद का वितरण निर्धारित मात्रा के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। कृषि विभाग के मैदानी अमले के माध्यम से किसानों को जागरूक करने तथा किसानों से 20 जून तक अधिक से अधिक खाद उठाव कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा एग्रीस्टैक में लंबित पंजीयन की स्थिति का संज्ञान तहसीलदारों से लेकर आगामी राजस्व अधिकारियों की बैठक से पहले पूरा करवाने के निर्देश दिए। पीएम किसान सम्मान निधि योजना में एग्रीस्टैक आईडी वाले किसानों का शत–प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने तथा 30 जून तक संचालित ''खेत बचाओ अभियान'' का व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने सहित स्कूलों के अतिरिक्त कक्षों का उपयोग भवन विहीन आँगनबाड़ी केन्द्र के रूप में, धान उठाव, सेवा सेतु केंद्र एवं सीएससी सेवाओं के विस्तार की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने विभागों के मैदानी अमले की नियमित साप्ताहिक समीक्षा लेने के निर्देश दिए। साथ ही ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्ययोजना तैयार करने, आश्रम–छात्रावास एवं एकलव्य विद्यालयों में पोषण वाटिका विकसित करने तथा पीएम सूर्य घर योजना का लाभ जनप्रतिनिधियों, पंचायतों एवं स्व–सहायता समूहों तक पहुंचाने पर जोर दिया। इसके साथ ही निजी स्कूलों में फीस वृद्धि और पुस्तकों एवं यूनिफॉर्म की एकल दुकान से खरीदी के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाए जाने की शिकायतों पर जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वहीं उल्लास सर्वे परीक्षा के लिए शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही करने तथा ग्राम पंचायत स्तरीय समितियों के माध्यम से निरक्षर व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें प्रारंभिक साक्षरता से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना राउंड-3 की तैयारी शुरू

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में युवाओं को रोजगारपरक कौशल और औद्योगिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई भारत सरकार की महत्वाकांप्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक स्तर पर तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर आकाश छिकारा ने योजना के सुचारू क्रियान्वयन हेतु निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने जिले के सभी संबंधित विभागों को नियत अवधि में वार्षिक कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने का निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन के द्वारा जारी आदेश के तहत वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु इस योजना को धरातल पर क्रियान्वयन करने हेतु प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना जिला निगरानी समिति प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। कलेक्टर इस समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे, जबकि एडिशनल कलेक्टर या संयुक्त कलेक्टर को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग और दैनिक समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पोर्टल पर लॉगिन आईडी का निर्माण तुरंत किया जाना है। इसके लिए अधिकृत अधिकारियों का पूरा नाम, पदनाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी तुरंत विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि डेटा ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग निर्बाध रूप से की जा सके। इस योजना के माध्यम से जिले के 18–25 आयु वर्ग के युवाओं को लक्षित किया जा रहा है, जिसमें पुरुष और महिला जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा शामिल है। बस्तर जिले के कुल सात विकास खंड में फैले गैर–इंजीनियरिंग कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज और विश्वविद्यालय इस अभियान का हिस्सा बनेंगे ताकि युवाओं तक इस योजना की पहुँच बनाई जा सके।

कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों और इंजीनियरिंग कॉलेज व आईटीआई के प्रमुखों को आपस में समन्वय कर पहल किए जाने कहा गया है। योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्कूल शिक्षा और उद्योग विभाग मिलकर करेंगे। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से युवतियों की भागीदारी सुनिश्चित करने और आदिवासी विकास विभाग के माध्यम से अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को छात्रावासों के माध्यम से जोड़ने की विशेष योजना तैयार की जा रही है।

खनिज विभाग की त्वरित कार्रवाई अवैध रेत परिवहन करते 04 ट्रैक्टर जप्त

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

महानदी में अवैध रेत खनन मिली शिकायत में खनिज विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम करेलीबड़ी एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते हुए 04 ट्रैक्टर वाहनों को जप्त किया गया है।

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जप्त वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के तहत अर्थदण्ड अधिरोपित कर वसूली की कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने बताया कि पूर्व में भी ग्राम करेलीबड़ी एवं आसपास के क्षेत्रों में खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के 03 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 32 हजार 430 रुपये का अर्थदण्ड वसूल कर शासन के खनिज मद में जमा कराया गया है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में 28 मई 2026 तक जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 108 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 29 लाख 51 हजार 560 रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया गया है। उक्त राशि शासन के खनिज मद में जमा कराते हुए प्रकरणों का प्रशमन किया गया है।

खनिज विभाग ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए विभागीय उड़नदस्ता दल द्वारा नियमित रूप से निगरानी एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की जा रही है। अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सुशासन तिहार 2026 के अंतिम दिन दो क्लस्टर शिविरों का आयोजन, सैकड़ों आवेदनों का हुआ निराकरण

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में 01 मई से 10 जून तक जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान एवं समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतिम दिन आज जिले में दो क्लस्टर स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए।

इनमें एक शिविर विकासखंड कुरूद के ग्राम बिरेझर तथा दूसरा विकासखंड नगरी के ग्राम संकरा में संपन्न हुआ। सुशासन तिहार के तहत जिले के चारों विकासखंडों धमतरी, कुरूद, मगरलोड एवं नगरी की कुल 24 ग्राम पंचायतों को क्लस्टर के रूप में शामिल किया गया था। शिविरों में ग्रामीण अपनी शिकायत, मांग एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन लेकर पहुंचे। प्राप्त आवेदनों का विभागीय अधिकारियों द्वारा परीक्षण कर कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

विकासखंड कुरूद के ग्राम पंचायत बिरेझर में आयोजित क्लस्टर शिविर में ग्राम पंचायत बिरेझर, चटौद, मुल्ले, करगा, हथबंद, दरबा, कोंडापार, कोटगांव, खुरसेंगा, सरबदा एवं मूरा सहित कुल 11 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में कुल 575 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 568 मांग संबंधी तथा

7 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल हैं। प्राप्त आवेदनों में से 135 मांगों एवं एक शिकायत का निराकरण मौके पर किया गया, जबकि अन्य आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

जिला पंचायत धमतरी के उपाध्यक्ष श्री गौकरण साहू ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और ऐसे शिविरों से लोगों को अपने गांव के समीप ही विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है। श्री साहू ने ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि आमजन की समस्याओं का समाधान उनके गांव के निकट और समयबद्ध तरीके से किया जाए। सुशासन तिहार इसी उद्देश्य को लेकर आयोजित किया गया है, जिससे नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें योजनाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सके।

उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक परीक्षण किया जा रहा है तथा पात्र आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने तथा अपने गांव के विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। श्री ठाकुर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण कर हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराया जाए।शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को प्रमाण–पत्र, आयुष्मान कार्ड, पोषण सामग्री, किट, निःशुल्क चश्मे एवं अन्य लाभकारी सामग्री वितरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नोनी योजना एवं पोषण कार्यक्रम के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरण, नेत्र परीक्षण एवं निःशुल्क चश्मा वितरण किया गया।

कौशल विकास प्रशिक्षण से युवाओं को मिला रोजगार, कलेक्टर ने प्रदान किए जॉब ऑफर लेटर एवं प्रमाण पत्र

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को एक और सफलता मिली है। जिला कार्यालय धमतरी में आयोजित कार्यक्रम में कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को जॉब ऑफर लेटर एवं प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने चयनित युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन कुरूद द्वारा संचालित सोलर, ब्यूटी एवं हॉस्पिटैलिटी ट्रेड के प्रशिक्षित विद्यार्थियों को रोजगार संबंधी नियुक्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कलेक्टर ने युवाओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि रोजगार मिलने पर उन्हें कैसा महसूस हो रहा है तथा प्रशिक्षण के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं हुई। युवाओं ने बताया कि कौशल विकास प्रशिक्षण ने उनमें आत्मविश्वास विकसित किया तथा रोजगार प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास रोजगार और स्वरोजगार दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि भविष्य में अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों एवं परिचितों को भी कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार के अवसरों से जुड़ सकें। उन्होंने प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, मधुरिमा गुरुकुल सहित विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयासों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।प्रशिक्षण उपरांत चयनित युवाओं में आंध्रप्रदेश के गुंटूर स्थित रिन्सेस ब्यूटी केयर में सुश्री अंजली टंडिया, सुश्री कविता, सुश्री मानसी देशमुख एवं सुश्री होमेश्वरी का चयन हुआ है। वहीं गुंटूर स्थित क्रासा फैमिली सैलून में सुश्री मीनाक्षी, सुश्री मुस्कान, सुश्री मनीषा, सुश्री दुर्गा, सुश्री सुमन, सुश्री नेहा एवं सुश्री लक्ष्मी का चयन किया गया है। इन सभी को 8 हजार रुपये प्रतिमाह इन–हैंड वेतन के साथ 4 हजार 500 रुपये भोजन एवं आवास सुविधा प्रदान की जाएगी।

इसी प्रकार हैदराबाद स्थित थास्विका हेयर सैलून में सुश्री नाजिया परवीन, सुश्री प्रीति ध्रुव, सुश्री खेमलता एवं सुश्री हितेश्वरी का चयन हुआ है। उन्हें 10 हजार रुपये प्रतिमाह इन–हैंड वेतन के साथ 4 हजार रुपये भोजन एवं आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी तथा कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने युवाओं से कार्यस्थल पर अनुशासन, समर्पण एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सेमीनार

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग, 10 जून। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निराकरण हेतु 18 जुलाई को आयोजित की जाने वाली विशेष लोक अदालत के सफल संचालन एवं व्यापक जन–जागरूकता के उद्देश्य से आज नवीन सभागार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक सेमीनार का आयोजन किया गया।

सेमीनार में जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशगण, जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, जिला दुर्ग से चयनित स्टेट बार काउंसिल के सदस्य, न्यायालयीन अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विशेष लोक अदालत के उद्देश्य, महत्व एवं उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई तथा धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के शीघ्र, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण में लोक अदालत की प्रभावी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के वक्ताओं ने विषय वस्तु पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए अधिवक्ताओं से विशेष लोक अदालत के संबंध में अपने–अपने पक्षकारों को जागरूक करने तथा समझौता योग्य प्रकरणों को चिन्हांकित कर लोक अदालत के माध्यम से निराकरण हेतु प्रेरित करने का आग्रह किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने कहा कि विशेष लोक अदालत अधिकाधिक समझौता योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर विशेष लोक अदालत में प्रस्तुत कराने तथा पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराने का आग्रह किया।

मारपीट-हत्या की कोशिश, 2 नाबालिग समेत 8 गिरफ्तार

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

भिलाई के कैम्प–02 स्थित एक कैरम सेंटर में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सिगरेट मांगने की बात पर शुरू हुए झगड़े के बाद एक युवक के साथ मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में छावनी पुलिस ने फरार चल रहे 6 आरोपियों और 2 अपचारी बालकों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, 7 अप्रैल 2026 को प्रार्थी मोहम्मद वसीम ने थाना छावनी में शिकायत दर्ज कराई थी। वह अहमद नगर स्थित एक कैरम सेंटर में बैठा हुआ था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने उससे सिगरेट मांगी। हालांकि उसने सिगरेट दुकान संचालक से मांगने की बात कही, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।

आरोपियों ने बुलाए साथी, फिर की मारपीट

आरोपी ने अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने प्रार्थी के साथ गाली–गलौज और मारपीट शुरू कर दी। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने गला दबाकर तथा नुकीली वस्तु से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई थी।लगातार

तलाश के बाद आरोपियों की गिरफ्तारीवहीं, मामले में कुछ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था। इसके अलावा फरार आरोपियों और दो अपचारी बालकों की लगातार तलाश की जा रही थी। आखिरकार पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उन्होंने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।

न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया। वहीं नाबालिगों को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया। फिलहाल मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

76 लाख के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग, 10 जून। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों का सिलसिला लगातार जारी है।

इसी कड़ी में महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य एवं पार्षद शिव नायक,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद रंजीता पाटिल,सावित्री दमाहे,लोकेश्वर ठाकुर,सहायक अभियंता सुरेश केवलानी,उप

अभियंता मोहित मरकाम की मौजूदगी में मंगलवार को आजाद वार्ड क्रमांक 37 सहित वार्ड क्रमांक 18 एवं 19 में लगभग 76.21 लाख रुपये की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान वार्ड 37 आजाद वार्ड, वार्ड क्रमांक 18 एवं 19 कैलाश नगर तालाब से नहर रोड एवं आदित्य नगर चौक से जवाहर नगर नाला तक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा तथा नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं प्राप्त होंगी।इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 19 शहीद भगत सिंह वार्ड में राजेश यादव के घर से प्राथमिक शाला मानसिंग के घर तक, नशामुक्ति केंद्र के सामने से वार्ड क्रमांक 18 तक तथा सांई मेडिकल से सरजू के घर के सामने तक एवं आजाद वार्ड 37 में नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया। नाली एवं पुलिया निर्माण से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिलेगी।

महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के सभी वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सड़क, नाली, पुलिया, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा से लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र का उन्होंने निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण ध्वस्त

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन.2 वैशाली नगर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपेश कुमार नथवानी द्वारा अपने 650 वर्गफीट रजिस्ट्री क्षेत्रफ्ल के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस संबंध में प्रस्तुत अभ्यावेदन को जिला नियमितीकरण समिति एवं आयुक्त राजस्व संभाग स्तर पर निरस्त कर दिया गया था। निगम के जोन.2 वैशाली नगर राजस्व विभाग द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को कई बार नोटिस जारी कर रजिस्ट्री क्षेत्र से अतिरिक्त शासकीय भूमि पर किए गए निर्माण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे।

साथ ही समय–समय पर निगम को इसकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया थाए लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया गया।

इसके बाद 9 जून मंगलवार को जोन.2 वैशाली नगर के राजस्व विभागए बेदखली विभाग तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

ट्राई सीरीज : अफगानिस्तान-ए ने इंडिया-ए को 4 रन से हराया

इमरान-बहीर के नाबाद अर्धशतक, अब्दुल्लाह को 5 और फरमनुल्लाह को 3 विकेट...

दांबुला। अफगानिस्तान-ए ने श्रीलंका में खेली जा रही ट्राई नेशन सीरीज के दूसरे मैच में इंडिया-ए को 4 रन से हरा दिया। यह मैच दांबुला के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए इंडिया-ए ने इस मुकाबले में 49 ओवर में 349 रन बनाए। बारिश की वजह से अफगानिस्तान-ए को 38 ओवर में 294 रन का टारगेट मिला। 25.2 ओवर में टीम का स्कोर 2 विकेट पर 177 रन था। इसके बाद बारिश आ गई और खेल शुरू नहीं हुआ। डकवर्थ लुईस नियम से अफगानिस्तान ने मैच को 4 रन से जीत लिया।

इमरान-बहीर के बीच नाबाद 108 रन की साझेदारी : अफगानिस्तान-ए की शुरुआत अच्छी रही। हसन इसाखिल ने 29 गेंदों में 34 रन बनाए और पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। हालांकि 7.6 ओवर में अरशद खान ने उन्हें आउट कर इंडिया-ए को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अनुकूल रॉय ने खालिद तनिवाल (2) को एलबीडब्ल्यू कर स्कोर 69/2 कर दिया। मुश्किल समय में कप्तान इमरान मीर और बहीर शाह ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 108 रन की साझेदारी की। इमरान मीर ने 70 गेंदों पर 75 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं बहीर शाह ने 52 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। इससे पहले, भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने 22 बॉल पर 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने बॉलर्स फ्रेंडली कंडीशंस में प्रभसिमरन सिंह के साथ 43 बॉल पर 74 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

3 भारतीय बैटर्स ने फिफ्टी लगाई : भारतीय टीम की ओर से ओपनर प्रभसिमरन सिंह (84 रन), ऋतुराज गायकवाड (66 रन) और तिलक वर्मा (66 रन) ने अर्धशतक लगाए। सूर्यांश शेडगे ने 40 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल्लाह अहमदजई ने 5 विकेट झटके। फरमनुल्लाह सफी को 3 सफलताएं मिलीं। एक विकेट कप्तान इमरान मीर को मिला।

बारिश के कारण मैच रुका : 25.5 ओवर के बाद बारिश ने खेल में खलल डाल दिया है। मैदान पर अंधेरा छाने लगा था और तभी तेज बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते अंपायरों ने खेल रोकने का फैसला किया।

बहीर शाह का अर्धशतक : 25.3 ओवर में बहीर शाह ने दबाव को कम करते हुए अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। विप्रज निगम की गेंद पर लगातार दो डॉट गेंदों के बाद उन्होंने स्वीप शॉट खेला। गेंद फाइन लेग की दिशा में तेजी से गई। वहां मौजूद फील्डर ने बाईं ओर दौड़ लगाई, लेकिन गेंद को रोक नहीं सके और चौके के लिए चली गई। इस चौके के साथ बहीर शाह ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

इमरान-बहीर के बीच शतकीय साझेदारी : दो शुरुआती झटकों के बाद अफगानिस्तान ने शानदार वापसी की है। 25 ओवर के बाद टीम का स्कोर 172/2 है। इमरान मीर 69 गेंदों में 75 रन और बहीर शाह 48 गेंदों में 46 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। 25वां ओवर आयुष बडोनी ने डाला, जिसमें बल्लेबाजों ने बिना कोई जोखिम लिए छह सिंगल बटोरे। ओवर की सभी छह गेंदों पर एक-एक रन आया। इस दौरान इमरान मीर और बहीर शाह के बीच शतकीय साझेदारी भी पूरी हुई। 10वें ओवर में अनुकूल रॉय ने अपने स्पेल की दूसरी ही गेंद पर भारत को एक और विकेट दिला दिया। उन्होंने फ्लाइटेड गेंद फेंकी, जो हवा में अंदर की ओर ड्रिफ्ट हुई और पिच पर पड़ने के बाद सीधी निकल गई। खालिद तनिवाल बैकफुट पर जाकर खेलने की कोशिश में क्रीज में ही फंस गए। गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी किनारे को चकमा देते हुए सीधे पैड पर लगी। अपील पर अंपायर ने तुरंत उंगली उठा दी। रिप्ले से भी साफ दिखा कि गेंद लेग स्टंप से टकराती। तनिवाल 4 गेंदों में 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

पावरप्ले की आखिरी बॉल पर अफगानिस्तान का पहला विकेट गिरा

7.6 ओवर में भारत को पहली सफलता मिली। अरशद खान ने कंधे की ऊंचाई तक उठती हुई शॉर्ट गेंद फेंकी, जिस पर हसन इसाखिल ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की। उन्होंने गेंद को अच्छी तरह टाइम तो किया, लेकिन शॉट में पर्याप्त ऊंचाई नहीं थी। डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर खड़े विप्रज निगम ने कैच लपका। कैच लेते समय उनका संतुलन बिगड़ा, लेकिन उन्होंने गेंद को हवा में उछालकर दोबारा सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। इस तरह अफगानिस्तान ने पावरप्ले की अंतिम गेंद पर अपना पहला विकेट गंवा दिया। हसन इसाखिल 29 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे।

वनडे विश्व कप में कोहली-रोहित की मौजूदगी गिल के लिए होगी फायदेमंद : सुरेश रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि 2027 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि युवा कप्तान शुभमन गिल को इन दोनों दिग्गजों के अनुभव का बहुत फायदा मिलेगा। रैना के अनुसार, बड़े टूर्नामेंटों में अनुभव अक्सर निर्णायक भूमिका निभाता है और कोहली-रोहित जैसे खिलाड़ी टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकालने की क्षमता रखते हैं। टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब कोहली और रोहित केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। दोनों का विश्व कप में शानदार रिकॉर्ड रहा है। 2019 में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में रोहित शर्मा ने 9 मुकाबलों में 648 रन बनाए थे। उन्होंने पांच शतक और एक अर्धशतक लगाया था और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। इसके साथ ही वह विश्व कप के एक ही संस्करण में पांच शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे। वहीं, 2023 में भारत की धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप में

विराट कोहली ने इतिहास रचते हुए 11 पारियों में 765 रन बनाए थे। वह टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। कोहली ने एक विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया, जो इससे पहले सचिन तेंदुलकर(673 रन) के नाम था। रैना का मानना है कि अगर कोहली और रोहित 2027 विश्व कप तक फिट रहते हैं, तो उनका अनुभव और मैच जिताने की क्षमता भारतीय टीम की खिताबी उम्मीदों को और मजबूत कर सकती है।

रैना ने 'जियोस्टार' से बात करते हुए कहा, 'विराट कोहली के लिए शारीरिक और मानसिक तैयारी जरूरी होगी। वह सफेद गेंद की क्रिकेट में बहुत मजबूत दिखते हैं। यही बात रोहित शर्मा पर भी लागू होती है। दोनों आईसीसी वर्ल्ड कप में रन बनाने में माहिर हैं। रोहित 2019 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पर थे, जबकि 2023 में विराट कोहली ने भी ऐसा ही किया था। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफी भी जीती हैं, जो उनकी लीडरशिप और मौजूदगी को बहुत ज्यादा अहमियत देती है। वे जानते हैं कि नॉकआउट मैचों में दबाव कैसे झेलना है। वे वहां रहे हैं, ऐसा किया है।' पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने आगे कहा, ''बड़े टूर्नामेंट में अनुभव मायने रखता है। उनके आस-पास के युवा बल्लेबाज को उनकी सलाह से फायदा होगा। शुभमन गिल के लिए वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी करते हुए रोहित और विराट का उनके साथ होना एक बहुत बड़ा फायदा होगा।

सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्डकप कल से...पहली बार 12 टीमें और 33 मैच

भारत ग्रुप ऑफ डेथ में, 14 जून को भारत का पाकिस्तान से मुकाबला होगा

नई दिल्ली। 10वां विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप आज से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होगा। पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। फाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा। इस बार 12 टीमें 24 दिनों में 33 मुकाबले खेलेंगी। यह अब तक का सबसे बड़ा विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप होगा। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड है। टीम ने 2024 में पहली बार खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलिया 6 ट्रॉफी के साथ टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। भारत कभी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। टीम ने 4 बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में जगह बनाई है। भारत इस बार ग्रुप ऑफ डेथ में है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका जैसी टीमें हैं। भारत का पहला मैच 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान से होगा।

टूर्नामेंट की शुरुआत कब और कैसे हुई?

2009 में पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड में हुआ था। टूर्नामेंट में 8 टीमें शामिल थीं। मेजबान इंग्लैंड ही पहली चैंपियन बनी थी। शुरुआती 3 वर्ल्ड कप तक 8 टीमें खेलती थीं। 2014 से टीमों की संख्या बढ़कर 10 हुई। 2026 में पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इंग्लैंड 17 साल बाद वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है।

टूर्नामेंट किस फॉर्मेट में खेला जाएगा ? 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुप ए और बी में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज में सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम फाइनल खेलेगी।

भारत का अभियान कब शुरू होगा?

भारतीय टीम 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम का सबसे बड़ा मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से होगा। 21 जून को भारत और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। ग्रुप-ए को इस बार 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें हैं। भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। स्क्वॉड में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और श्रेयांका पाटिल जैसे खिलाड़ी हैं।

पहली बार 12 टीमें : यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का पहला एडीशन होगा। जिसमें 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले 10 टीमें खेली थीं।

नीदरलैंड्स का डेब्यू : नीदरलैंड्स पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप खेलेगा। टीम ने ग्लोबल क्वालिफायर में चौथा स्थान हासिल कर टूर्नामेंट में जगह बनाई।

भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है? भारत ने अब तक सभी 9 वर्ल्डकप खेले हैं। टीम 2020 में पहली और इकलौती बार फाइनल में पहुंची थी। उसे ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत 4 बार सेमीफाइनल तक भी पहुंचा है। भारत ने टूर्नामेंट में 40 मैच खेले हैं। इसमें 22 जीते और 18 हारे हैं। उसका जीत प्रतिशत 55% रहा है।

किन मैदानों पर होंगे मुकाबले?

टूर्नामेंट के सभी 33 मैच इंग्लैंड के 7 मैदानों पर खेले जाएंगे। फाइनल लॉर्ड्स में और दोनों सेमीफाइनल द ओवल में खेले जाएंगे।

मैच कितने बजे शुरू होंगे?

टी-20 वर्ल्ड कप के सभी मुकाबले भारतीय समय के हिसाब से दोपहर 3 बजे, शाम 7 बजे और रात 11 बजे खेले जाएंगे। भारत के सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे।

खिताब का सबसे बड़ा दावेदार कौन?

6 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मजबूत दावेदार मानी जा रही है। भारत, साउथ अफ्रीका और मेजबान इंग्लैंड भी खिताब की दौड़ में हैं। भारत ने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप जीता है। टीम पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। वहीं, साउथ अफ्रीका पिछले तीन आईसीसी व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल खेल चुकी है।

प्राइज मनी कितनी?

आईसीसी ने इस बार रिकॉर्ड 87.64 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 83.74 करोड़ रुपए) की कुल प्राइज मनी घोषित की है। 2009 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप विनर को 2.34 मिलियन डॉलर (लगभग 22.36 करोड़ रुपए) मिले थे। भारत में दर्शक स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर वर्ल्ड कप के सभी मुकाबलों का लाइव टेलीकास्ट देख सकेंगे।

भारत में जन्मे निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल

ट्रैविस हेड की जगह चुना गया, बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज खेलेंगे

कैनबरा। भारत में जन्मे ऑलराउंडर निखिल चौधरी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम में चुना गया है। वे बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज में हिस्सा लेंगे। 30 साल के निखिल को ट्रैविस हेड की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हेड को आराम दिया गया है। पंजाब के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट खेल चुके निखिल 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। वहां उन्होंने ग्रेड क्रिकेट, तस्मानिया और होबार्ट हरिकेन्स के लिए शानदार प्रदर्शन करके पहचान बनाई। बांग्लादेश दौरे पर उनके पास इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका है। टी-20 सीरीज 17 जून से शुरू होगी।

निखिल ने होबार्ट हरिकेन्स को बीबीएल जिताया : निखिल ने 2024-25 बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस को खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हाल ही में उन्होंने शेफील्ड शील्ड में पहला शतक लगाया। साथ ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट भी लिए।

निखिल लंबे समय से पॉसिबल में थे: ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि निखिल लंबे समय से नेशनल टीम के संभावित खिलाड़ियों की सूची में थे। सिलेक्टर्स उनके बिग बैश और घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन से प्रभावित हैं। निखिल के पास अभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं है, लेकिन आईसीसी के निवास संबंधी नियम पूरे करने के कारण वे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने के पात्र हैं।

चाचा से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए थे, लॉकडाउन में वहीं फंसे : निखिल 2020 में अपने चाचा से मिलने क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया) गए थे। तभी कोविड महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया ने अपने इंटरनेशनल बॉर्डर सील कर दिए थे। ऐसे में चौधरी वहीं रुक गए और बाद में उन्हें स्थायी निवास मिल गया। इससे उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने की पात्रता मिल गई, हालांकि वे अभी तक वहां के नागरिक नहीं बने हैं। ब्रिस्बेन में ग्रेड क्रिकेट खेलते समय तत्कालीन हरिकेंस गेंदबाजी कोच और मौजूदा सिडनी सिक्सर्स कोच जेम्स होप्स की नजर उन पर पड़ी थी। इसके बाद उन्होंने हरिकेंस के लिए [illegible] में लगातार तीन शानदार सीजन खेले हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का टी20 स्क्वॉड

मिचेल मार्श (कप्तान), निखिल चौधरी, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, एरॉन हार्डी, ट्रैविस हेड, जेवियर बार्टलेट, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुहनेमैन, राइली मेरेडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रैनशॉ और एडम जैम्पा।

भारतीय महिला ए टीम के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में किरा चथली इंग्लैंड महिला ए टीम की कप्तानी करेंगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला ए टीम के खिलाफ जून-जुलाई में होने वाली 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड ए टीम की घोषणा कर दी गई है। सरे की विकेटकीपर बल्लेबाज किरा चथली को इंग्लैंड ए टीम का कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड की टीम में सीनियर स्तर पर खेल चुकीं तीन खिलाड़ियों जोडी ग्रेवकॉक, रियाना मैकडोनाल्ड-गे, और चैरिस पैवेली को भी शामिल किया गया है। कई ऐसी खिलाड़ी भी हैं जो जल्द ही इंग्लैंड की टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं। इन खिलाड़ियों में डेविना पेरिन, ग्रेस स्क्रिवेंस, और सोफिया स्मेल शामिल हैं। इंग्लैंड महिला टीम के मुख्य बैटिंग कोच जॉन लुईस को टीम ए टीम की जिम्मेदारी दी गई है। लुईस ने कहा, 'इंडिया के खिलाफ सीरीज यह देखने का एक और मौका होगी कि खिलाड़ियों का यह ग्रुप किस स्तर पर है। ए टीम में चुना जाना इस बात का सबूत है कि आप सही रास्ते पर हैं। अगली चुनौती सीनियर टीम में जगह बनाना है।' उन्होंने कहा, 'किसी दूसरे देश के खिलाफ सीरीज खेलने से हमेशा हमें कुछ न कुछ सीखने का मौका मिलता है। मैं किरा के लिए बहुत खुश हूं, मुझे यकीन है कि वह टीम की कप्तानी करने के लिए उत्साहित होगी। उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।' चथली ने इस सीजन में सरे की 50-ओवर टीम की कप्तानी संभाली है और टूर्नामेंट के पहले हिस्से में आठ मैचों में से पांच में टीम को विजेता बनाया है। भारत और इंग्लैंड की महिला ए टीमों के बीच पहले तीन टी20 मैचों की सीरीज और फिर 3 वनडे मैचों की सीरीज होगी। पहला टी20, 20 जून को नॉर्थम्प्टन, दूसरा टी20 नॉर्थम्प्टन में 23 जून, और तीसरा टी20 चेम्सफोर्ड में 25 जून को खेला जाएगा। पहला वनडे 28 जून, दूसरा वनडे 1 जुलाई और तीसरा वनडे 4 जुलाई को खेला जाएगा। तीनों वनडे टॉनटन में खेले जाएंगे।

इंग्लैंड महिला 'ए' टी20 टीम : किरा चथली (कप्तान), ग्रेस बॉलिंगर, जोडी ग्रेवकॉक, एमा जोन्स, रियाना मैकडोनाल्ड-गे, एला मैककॉघन, कालेया मूर, चैरिस पैवेली, डविना पेरिन, ग्रेस पॉट्स, ग्रेस स्क्रिवेंस, सोफिया स्मेल, एलेक्सा स्टोनहाउस।

इंग्लैंड महिला 'ए' वनडे टीम : किरा चथली (कप्तान), ग्रेस बॉलिंगर, जोडी ग्रेवकॉक, एला मैककॉघन, फ्लो मिलर, चैरिस पैवेली, डविना पेरिन, चार्ली फिलिप्स, ग्रेस पॉट्स, ग्रेस स्क्रिवेंस, क्लो स्केल्टन, सोफिया स्मेल, एलेक्सा स्टोनहाउस।

छत्तीसगढ़ की महक नरवासे का भारत की अंडर-19 महिला टीम में चयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिभावान युवा क्रिकेटर महक नरवासे का श्रीलंका श्रृंखला के लिए भारत की महिला अंडर-19 टी-20 एवं वनडे दोनों टीमों में चयन हुआ है। उप कप्तान के रूप में चयनित महक की इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है। महक नरवासे के भारतीय टीम में चयन पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने आज गुरुवार को

अपने बधाई संदेश में कहा कि महक की यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन, प्रतिभा और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय टीम में चयनित होकर महक ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं और खेल जगत में भी नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। महक नरवासे का भारतीय टीम में चयन प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि महक की सफलता प्रदेश के अन्य युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों को विभिन्न खेलों में आगे बढ़ने और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी।

जापान में होने वाले एशियाई खेल के लिए भारत की 30 सदस्यीय निशानेबाजी टीम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेलों के लिए भारत की 30 सदस्यीय निशानेबाजी टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय दल में 15 पुरुष और 15 महिला निशानेबाज शामिल किए गए हैं। निशानेबाजी स्पर्धाएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग रेंज में आयोजित होंगी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने निर्धारित सभी पात्रता मानकों को खिलाड़ियों ने पूरा किया, लेकिन आयोजन

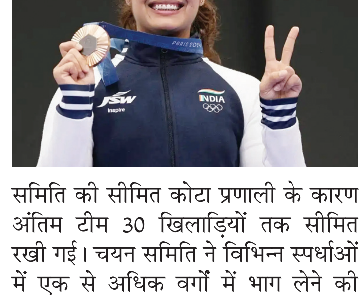

समिति की सीमित कोटा प्रणाली के कारण अंतिम टीम 30 खिलाड़ियों तक सीमित रखी गई। चयन समिति ने विभिन्न स्पर्धाओं में एक से अधिक वर्गों में भाग लेने की क्षमता रखने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी, ताकि भारत अधिकतम स्पर्धाओं में भाग लेकर पदक संभावनाएं मजबूत कर सके। इस रणनीति के तहत विदार्सा के. विनोद, रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल, मनु भाकर और ईशा सिंह को एक से अधिक स्पर्धाओं में शामिल किया गया है। एनआरएआई अध्यक्ष कालीकेश सिंह देव ने कहा कि भारतीय निशानेबाजी में प्रतिभा का स्तर लगातार बढ़ा है और अंतिम टीम का चयन बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह दल एशियाई खेलों में भारत को मजबूत दावेदार के रूप में प्रस्तुत करेगा। भारतीय दल में कुल 12 शॉटगन निशानेबाज और 18 राइफल-पिस्टल वर्ग के खिलाड़ी शामिल हैं। हाल के महीनों में भारतीय निशानेबाजों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने कई पदक जीते थे। म्यूनिख विश्व कप में ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक और विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल में सुरुचि सिंह और ईशा सिंह ने स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत की ताकत दिखाई थी।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत हेतु संपर्क करे : 9806044444
प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, शुक्रवार, 12 जून 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

हेलियोन द्वारा भारत में अपनी पहली फैक्ट्री स्थापित करने के लिए 2000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा

मध्य प्रदेश में स्थापित यह ग्रीनफील्ड फैक्ट्री 'मेक इन इंडिया' के उद्देश्य को आगे बढ़ाएगी तथा प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने की हेलियोन की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी

नई दिल्ली। कंज़्यूमर हैल्थ में ग्लोबल मार्केट लीडर, हेलियोन ने आज भारत में अपनी पहली मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री स्थापित करने की अपनी योजना के बारे में बताया। यह अत्याधुनिक फैक्ट्री पीथमपुर, मध्य प्रदेश में स्थापित किया जाएगी। स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 40 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली यह फैक्ट्री भारत के कंज़्यूमर हैल्थ सेक्टर में एक अहम निवेश होगी, जिससे एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में भारत के प्रति हेलियोन की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। इस निवेश की घोषणा मध्य प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री, श्री मोहन यादव, हेलियोन के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, ब्रायन मैकनामारा, हेलियोन आईएससी के सीईओ इंडिया और अध्यक्ष- केदार लेले तथा हेलियोन की चीफ सप्लाई चेन ऑफिसर, नम्रता पटेल की मौजूदगी में की गई। यह निवेश भारत में हेलियोन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे सप्लाई चेन को और अधिक मजबूती मिलेगी, राष्ट्रीय आर्थिक मुल्यसंवर्धन बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह निवेश भारत सरकार के मेक इन इंडिया अभियान के अनुरूप है। इससे अगले दशक में काफी अधिक आर्थिक मूल्य प्राप्त होगा। यह एक्सपोर्ट की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा, राज्य के राजस्व में योगदान देगा तथा भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन में शामिल करेगा। इस फैक्ट्री से 500 से ज़्यादा नौकरियों तक का निर्माण होने की उम्मीद है। साथ ही, अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। फैक्ट्री में कौशल विकास, स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने तथा सप्लायर ईकोसिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। हेलियोन का उद्देश्य अपने फैक्ट्री में एक व्यापक और समावेशी कार्यबल का निर्माण करना है, जिसमें कार्यबल में 30 प्रतिशत तक महिलाओं की भागीदारी हासिल करने की योजना है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने कहा, ''मध्य प्रदेश अपने मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, कुशल कार्यबल, और उद्योग के अनुकूल नीतियों के साथ ग्लोबल निवेश के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में लगातार उभर रहा है। हेलियोन द्वारा भारत में अपनी पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पीथमपुर में स्थापित की जा रही है। यह निर्णय राज्य के बिज़नेस इकोसिस्टम और विकास की क्षमता में बड़ी ग्लोबल कंपनियों का बढ़ता भरोसा प्रदर्शित करता है। 2,000 करोड़ के इस निवेश से मुख्य मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट केंद्र के रूप में मध्य प्रदेश की स्थिति मजबूत होगी। इससे आर्थिक प्रगति और औद्योगिक विकास में भी मदद मिलेगी। मध्य प्रदेश सरकार राज्य में हेलियोन के विकास में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सस्टेनेबल औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते रहेंगे।' हेलियोन के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, ब्रायन मैकनामारा ने कहा, ''भारत हमारे लिए सबसे तेजी से बढ़ते हुए और सबसे डायनामिक बाजारों में से एक है। यह इस बात की मिसाल पेश करता है कि हम मानवता पर केंद्रित रहते हुए किस प्रकार प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य प्रदान कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य साल 2030 तक प्रतिदिन बेहतर स्वास्थ्य को भारत में 30 करोड़ से अधिक नए ग्राहकों तक पहुँचाना है। हमारी यह फैक्ट्री साल 2030 तक हमें विश्व में 100 करोड़ नए ग्राहकों तक पहुँचने में मदद करेगी। यह निवेश हमें अपने भरोसेमंद ब्रांड्स के लिए भविष्य की मांग को पूरा करने में समर्थ बनाएगा तथा हमारी जमीनी टीमों का विस्तार करेगा, ताकि हम उन करोड़ों लोगों को बेहतर पहुँच प्रदान कर सकें।

अमेजन डॉट इन ने स्मार्टचॉइस फीचर का 10 प्रोडक्ट कैटेगरीज में किया विस्तार

बेंगलुरु। अमेजन डॉट इन ने आज अपने स्मार्टचॉइस फीचर का 10 कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कैटेगरी में विस्तार करने की घोषणा की। यह फीचर, जो 30 अलग-अलग यूज-केस सेगमेंट्स में एक्सपर्ट द्वारा चुने गए और उपयोग पर आधारित सुझाव देता है, अब भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स शॉपिंग के लिए सबसे व्यापक गाइडेड-डिस्कवरी अनुभवों में से एक बन गया है। लैपटॉप (गेमिंग और नॉन-गेमिंग), टैबलेट, ऑडियो (हेडफोन और साउंडबार), कैमरा, वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर में पहले से लाइव होने के बाद, इस फीचर में अब एसी, मॉनिटर, पीसी एक्सेसरीज और वियरेबल्स को जोड़ा गया है, जबकि टीवी और स्मार्टफोन जल्द ही आने वाले हैं। इस विस्तार के साथ, अमेजन डॉट इन ने 11 जून से शुरू होने वाले स्मार्टचॉइस डेज सेल इवेंट की भी घोषणा की है, जिसमें स्मार्टचॉइस द्वारा रिकमेंडेड प्रोडक्ट्स पर बेहतरीन डील्स मिलेंगी। अमेजन इंडिया की डायरेक्टर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, जेबा खान ने कहा, स्मार्टचॉइस को एक सरल समझ के साथ बनाया गया था, कि ग्राहकों को अधिक विकल्पों की नहीं, बल्कि सही विकल्प की आवश्यकता है जिस पर वे भरोसा कर सकें। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एक ऐसी कैटेगरी है जहां फीचर्स, स्पेसिफिकेशन्स और विकल्पों की संख्या एक जानकार खरीदार को भी उलझा सकती है। स्मार्टचॉइस प्रोडक्ट्स को इस बात से जोड़कर इसका समाधान करता है कि ग्राहक वास्तव में उनका उपयोग कैसे करेंगे। स्मार्टचॉइस, रूफस, लेंस एआई, एआई-जनरेटेड रिव्यू समरी और प्राइस हिस्ट्री के एक साथ काम करने से, अमेजन डॉट इन एक्सपर्ट्स द्वारा चुने गए सुझाव देता है जिन्हें एआई टूल्स का सपोर्ट प्राप्त है। ये ग्राहकों को कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापक चयन पर हर कदम पर आत्मविश्वास से भरे खरीदारी निर्णय लेने में मदद करते हैं।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार निवेशकों को 2.41 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार गुरूवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। गुरूवार को कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। गुरूवार को दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मीडिया और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों की खरीदारी होती रही। गुरूवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब ढाई लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरूवार को कारोबार के बाद घट कर 452.57 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.98 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरूवार को कारोबार से करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। गुरूवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,384 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,807 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 198 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में गुरूवार को 2,998 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 772 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2226 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स गुरूवार को 367.19 अंक की कमजोरी के साथ 73,615.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक 464.43 अंक की गिरावट के साथ 73,518.75 अंक के स्तर तक चला गया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 875.59 अंक उछल कर 411.16 अंक की मजबूती के साथ 74,394.34 अंक तक पहुंच गया।

हिमालया बेबीकेयर ने शिशुओं के लिए लॉन्च किया समर केयर कैंपेन

गर्मी के मौसम में शिशुओं की विशेष देखभाल की जरूरतों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए बहुभाषी कैंपेन की शुरुआत

रायपुर। भारत के सबसे भरोसेमंद बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालय बेबीकेयर, जिसे बच्चे बहुत पसंद करते हैं, ने गर्मियों के मौसम के लिए विशेष रूप से तैयार शिशु देखभाल दिनचर्या के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपना नया समर कैंपेन शुरू किया है। आराम और कोमल देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह कैंपेन ब्रांड के पहले गर्मियों के लिए विशेष रूप से तैयार शिशु देखभाल दिनचर्या को प्रस्तुत करता है- एक सुनियोजित दिनचर्या जो गर्मियों के दौरान शिशुओं को ठंडा, तरोताजा और खुश रखने के लिए बनाई गई है। इस कैंपेन के केंद्र में एक मनोरंजक डिजिटल फिल्म है जो शिशुओं को एक जोरदार 'ग्रीष्मकालीन विरोध प्रदर्शन' का नेतृत्व करते हुए दर्शाती है। 'We Don't Want Rashes' और 'Stop the Sweat' जैसे संदेशों वाले छोटे-छोटे प्लेकार्ड्स से लेकर गर्मी से होने वाली परेशानियों के खिलाफ एक दृढ़ मार्च तक, यह फिल्म एक आकर्षक लेकिन प्रासंगिक विद्रोह को जीवंत करती है - उन बातों को आवाज़ देती है जो बच्चे अगर बोल पाते तो कहते। कहानी तब एक दिल को छू लेने वाला मोड़ लेती है जब हिमालया बेबीकेयर की ग्रीष्मकालीन दिनचर्या की शुरुआत के साथ अराजकता शांत हो जाती है, यह दर्शाता है कि किस तरह एक सरल और सौम्य दिनचर्या चिड़चिड़े और असहज क्षणों को एक शांत व सुखद अनुभव में बदल सकती है। आधुनिक माता-पिता के साथ तालमेल बिठाने के लिए तैयार इस कैंपेन में एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया गया है- जहां गर्मियां शिशुओं की नाजुक त्वचा पर कठोर प्रभाव डाल सकती है, एक नियमित और कोमल देखभाल की दिनचर्या से बहुत फर्क पड़ सकता है। 'Babies Ko Summer Mein Rakhe Cool, Fresh, and Happy' के संदेश के साथ, ब्रांड आधुनिक अभिभावकों की जरूरतों के अनुरूप भरोसेमंद, प्रभावी और सुरक्षित बेबी पर्सनल केयर उत्पाद प्रदान करने के अपने वादे को मजबूती देता है। कैंपेन पर टिप्पणी करते हुए हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक श्री एनवी चक्रवर्ती ने कहा, 'हिमालया बेबीकेयर में, हमारा ध्यान हमेशा से ही नए जमाने के माता-पिता की बदलती जरूरतों को समझने और ऐसे समाधान तैयार करने पर रहा है जो केवल उत्पादों तक सीमित न हों। गर्मी सहित मौसमी चुनौतियां जैसे-जैसे और अधिक बढ़ती जा रही हैं, शिशु देखभाल के लिए अधिक समग्र, नियमित दिनचर्या पर आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

बॉलीवुड समाचार

मूवी रिव्यू- 'मैं वापस आऊंगा' : प्यार, बंटवारा और 78 साल का इंतजार...

इम्तियाज अली की फिल्म इमोशनल करती है, मगर कुछ सवाल भी छोड़ जाती है

इम्तियाज अली जब भी फिल्म बनाते हैं तो कहानी सिर्फ कहानी नहीं रहती, एक एहसास बन जाती है। 'मैं वापस आऊंगा' भी उसी तरह की फिल्म है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार उनकी प्रेम कहानी किसी पहाड़, शहर या सफर के बीच नहीं, बल्कि भारत पाकिस्तान बंटवारे की त्रासदी के बीच जन्म लेती है। यह फिल्म प्रेम की बात करती है, लेकिन सिर्फ प्रेम की नहीं। यह उन यादों की भी बात करती है जो उम्र के आखिरी पड़ाव तक इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं। यह उन लोगों की कहानी है जिन्होंने अपना घर खोया, अपना शहर खोया और कई मामलों में अपना प्यार भी खो दिया।

फिल्म की कहानी

फिल्म की शुरुआत 95 साल के ईशर सिंह ग्रेवाल (नसीरुद्दीन शाह) से होती है। उम्र और बीमारी ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया है, लेकिन एक जिद अब भी बाकी है। वह पाकिस्तान के सरगोधा वापस जाना चाहते हैं। उनके पोते निर्वैर (दिलजीत दोसांझ) को समझ नहीं आता कि आखिर दादा बार बार उसी जगह लौटने की बात क्यों करते हैं। धीरे धीरे कहानी अतीत की तरफ जाती है और सामने आती है ईशर और जिया की प्रेम कहानी। युवा ईशर के किरदार में वेदांग रैना हैं और जिया के रोल में शरवरी। दोनों की दुनिया में प्रेम है, सपने हैं और साथ जीने की उम्मीद है। फिर बंटवारा होता है और सब कुछ बदल जाता है। फिल्म की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह बंटवारे को राजनीतिक घटना की तरह नहीं, बल्कि आम लोगों के दर्द की तरह दिखाती है। हालांकि पहला हिस्सा कहानी को स्थापित करने में थोड़ा ज्यादा समय लेता है। कई बार लगता है कि फिल्म अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए जरूरत से ज्यादा घूम रही है। लेकिन दूसरे हिस्से में कहानी भावनात्मक तौर पर मजबूत होती जाती है और अंत तक आते आते असर छोड़ती है।

फिल्म में एक्टिंग

अगर इस फिल्म का सबसे मजबूत स्तंभ चुनना हो तो वह नसीरुद्दीन शाह हैं। उन्होंने ईशर सिंह के किरदार को निभाया नहीं, जिया है। भूलती हुई यादें, अधूरी बातें, खोया हुआ प्यार और आखिरी बार अतीत को छू लेने की बेचैनी, सब कुछ उनके चेहरे पर दिखाई देता है। कई दृश्य ऐसे हैं जहां बिना संवाद बोले भी वह दर्शकों को भावुक कर देते हैं। वेदांग रैना ने भी शानदार काम किया है। उनके भीतर एक सच्चाई दिखाई देती है जो किरदार को विश्वसनीय बनाती है। यह उनके करियर की

अब तक की सबसे मजबूत परफॉर्मेंस में गिनी जा सकती है। शरवरी स्क्रीन पर आते ही ध्यान खींचती हैं। उनके किरदार में मासूमियत भी है और भावनात्मक गहराई भी। इम्तियाज अली की फिल्मों की नायिकाओं में जो एक अलग तरह की गर्माहट होती है, वह जिया के किरदार में भी दिखाई देती है। दिलजीत दोसांझ अपने किरदार में सहज हैं, लेकिन सच यह है कि फिल्म का सबसे भावुक और प्रभावशाली हिस्सा नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना के हिस्से में जाता है। दिलजीत की कहानी जरूरी है, मगर उतनी यादगार नहीं बन पाती। फिल्म में डायरेक्शन इम्तियाज अली की सबसे बड़ी ताकत हमेशा से भावनाओं को पकड़ना रही है और यहां भी वही दिखाई देता है। वह बंटवारे को आंकड़ों या इतिहास की किताबों की तरह नहीं दिखाते। वह दिखाते हैं कि उस दौर में बिछड़ना कैसा लगता होगा। किसी अपने का अचानक छूट जाना कैसा लगता होगा। फिल्म का दूसरा हिस्सा इम्तियाज की पकड़ को साबित करता है। कई दृश्य लंबे समय तक याद रहते हैं। खासकर वे सीन जहां प्रेम और बिछड़न एक साथ दिखाई देते हैं। हालांकि फिल्म की सबसे बड़ी कमजोरी भी यहीं है। लगभग तीन घंटे की अवधि हर दर्शक के लिए आसान नहीं होगी। पहले हिस्से में कई सीन ऐसे हैं जिन्हें छोटा किया जा सकता था। फिल्म कई बार जरूरत से ज्यादा ठहर जाती है।

फिल्म का तकनीकी पहलू

फिल्म देखने में बेहद खूबसूरत लगती है। सिनेमेटोग्राफी फिल्म का बड़ा प्लस पॉइंट है। सरगोधा की गलियां, पुराने घर, खेत और उस दौर का माहौल स्क्रीन पर बहुत प्रभावी तरीके से उभरकर आता है। प्रोडक्शन डिजाइन पर भी मेहनत दिखाई देती है। फिल्म अपने समय और माहौल को विश्वसनीय बनाने में सफल रहती है। एडिटिंग थोड़ी और कसी हुई होती तो फिल्म का असर और ज्यादा बढ़ सकता था। फिल्म में म्जूजिक इम्तियाज अली और ए आर रहमान की जोड़ी से हमेशा उम्मीदें रहती हैं। इस फिल्म में भी संगीत कहानी का हिस्सा बनकर आता है। बैकग्राउंड स्कोर कई दृश्यों को भावनात्मक ऊंचाई देता है। कुछ गाने सुनने के बाद भी याद रहते हैं, लेकिन एल्बम उस लेवल तक नहीं पहुंचता जहां रहमान के पुराने और यादगार काम पहुंचते रहे हैं। फिर भी फिल्म के मूड के हिसाब से संगीत पूरी तरह फिट बैठता है।

फिल्म में कमियां

फिल्म की सबसे बड़ी कमी इसकी लंबाई है। करीब तीन घंटे की यह फिल्म कई जगह अपनी रफ्तार खो देती है। पहले हिस्से में धैर्य रखना पड़ता है। कुछ सब प्लॉट भी पूरी तरह प्रभाव नहीं छोड़ पाते। कई दर्शकों को यह भी लग सकता है कि फिल्म अपने भावनात्मक असर तक पहुंचने में जरूरत से ज्यादा समय लेती है।

फिल्म को लेकर फाइनल वर्डिक्ट

'मैं वापस आऊंगा' कोई ऐसी फिल्म नहीं है जो आपको सीट से बांधे रखे और हर दस मिनट में चौंकाए। यह धीरे धीरे खुलने वाली फिल्म है। इसके कुछ हिस्से बेहद खूबसूरत हैं, कुछ हिस्से थोड़े लंबे हैं, लेकिन जब फिल्म अपने भावनात्मक शिखर पर पहुंचती है तो असर छोड़ती है। नसीरुद्दीन शाह का शानदार अभिनय, वेदांग रैना और शरवरी की सादगी भरी केमिस्ट्री, इम्तियाज अली का संवेदनशील निर्देशन और ए आर रहमान का संगीत फिल्म को खास बनाते हैं। अगर आपको भावनात्मक कहानियां पसंद हैं और आप धीमी रफ्तार वाली फिल्मों से परहेज नहीं करते, तो 'मैं वापस आऊंगा' आपके लिए एक संतोषजनक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है।

दर्शकों की हर राय हमारे लिए महत्वपूर्ण : जान्हवी कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कहा कि एक कलाकार के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे महत्वपूर्ण होती है और उनके विचारों का सम्मान करना हर अभिनेता की जिम्मेदारी है। अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म पेड्डी की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रचार में व्यस्त जान्हवी को विश्वास है कि दर्शक उनकी इस नई पेशकश को भी वही प्यार और समर्थन देंगे, जो उन्हें अब तक मिलता रहा है। साल 2018 में धड़क से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली जान्हवी कपूर ने एक बातचीत में फिल्मों और दर्शकों के प्रति अपने नजरिए को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए फिल्म निर्माण केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि एक तरह की सेवा है। उनका मानना है कि कलाकार और फिल्म निर्माता दर्शकों का मनोरंजन करने तथा उन्हें बेहतर अनुभव देने के उद्देश्य से काम करते हैं। यदि किसी फिल्म को ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादों के साथ बनाया जाता है तो वह निश्चित रूप से उन लोगों तक पहुंचती है, जिनके लिए उसे बनाया गया है। जान्हवी ने सोशल मीडिया के दौर में फिल्मों को लेकर बनने वाली धारणाओं और जल्दबाजी में की जाने वाली आलोचनाओं पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि कई बार लोग किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले ही उसके बारे में नकारात्मक टिप्पणियां करना शुरू कर देते हैं। हालांकि, इसके बावजूद वह दर्शकों की राय को नजरअंदाज करने में विश्वास नहीं रखतीं। उनके अनुसार, दर्शकों की प्रतिक्रिया किसी भी कलाकार के लिए सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर होती है। अभिनेत्री ने कहा कि वह दर्शकों को बेहद सम्मान की नजर से देखती हैं। उनके मुताबिक, दर्शक ही वह शक्ति हैं जिनके लिए फिल्में बनाई जाती हैं और उनकी पसंद-नापसंद को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी दर्शक की टिप्पणी या प्रतिक्रिया से कलाकार को अपने काम में सुधार करने का अवसर मिलता है, तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। जान्हवी का मानना है कि सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं कलाकार के विकास में अहम भूमिका निभाती हैं।

कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अलग छाप छोडी है अमृता राव ने

बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव को फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। अमृता राव बॉलीवुड उन अभिनेत्रियों में शुमार हो गई है जिन्होंने कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अपनी अलग छाप छोड़ी है। 7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं। इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर' और 'प्यारे मोहन' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह' का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम' का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम' के नाम से याद करते हैं। अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा।

उन्होंने तेलुगू सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि' में नजर आईं। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट, 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। निजी जीवन की बात करें तो अमृता ने लंबे समय तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट किया। दोनों ने साल 2016 में बेहद सादगी से शादी की। अमृता एक बेटे की मां हैं, जिसका नाम उन्होंने वीर रखा है। शादी के बाद अमृता ने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली और परिवार को प्राथमिकता दी।

रायपुर की यातायात व्यवस्था में नया अध्याय-माइक्रो बस पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर शहर की बढ़ती यातायात समस्या के समाधान और सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग और के संयुक्त तत्वावधान में 'माइक्रो बस पायलट प्रोजेक्ट' को हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर स्थानीय विधायक पुरंदर मिश्रा, परिवहन सचिव एस प्रकाश और के प्रतिनिधि सौरभ उपस्थित रहे।

पूरे देश के लिए मिसाल बनेगा यह प्रोजेक्ट

इस 45 दिवसीय पायलट प्रोजेक्ट के महत्व को रेखांकित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर की आवश्यकता को देखते हुए यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। यह केवल एक ट्रायल नहीं है, बल्कि एक बड़ी कार्ययोजना की शुरुआत है। 45 दिनों के ट्रायल के बाद इस प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो इसे न केवल रायपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू किया जाएगा।

यातायात सुगम और पर्यावरण के अनुकूल

सांसद ने कहा कि रायपुर के भारी ट्रैफिक को देखते हुए ये माइक्रो बसें अत्यंत उपयुक्त हैं। एसी सुविधाओं से लैस ये बसें न केवल नागरिकों को आरामदायक सफर देंगी, बल्कि सड़कों पर व्यक्तिगत वाहनों की संख्या को कम कर ट्रैफिक का दबाव भी घटाएंगी। इससे शहर में जाम की स्थिति से मुक्ति मिलेगी।

ऑटो चालकों के लिए भी बढ़ेगा व्यवसाय

ऑटो चालकों की चिंताओं पर अपनी स्पष्ट राय रखते हुए सांसद ने कहा कि उन्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस सेवा के शुरू होने से लोगों का सार्वजनिक परिवहन की ओर रुझान बढ़ेगा। जब लोग अपने निजी वाहन छोड़कर सड़कों पर निकलेंगे, तो वे बसों के साथ–साथ ऑटो का भी उपयोग करेंगे, जिससे अंततः ऑटो चालकों का व्यवसाय भी बढ़ेगा और शहर की यातायात व्यवस्था सुगम होगी। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस पहल के सफल होने की कामना की है और रायपुरवासियों से इस आधुनिक परिवहन सेवा को अपनाने की अपील की है ताकि रायपुर को एक %सुगम और स्मार्ट शहर% बनाया जा सके।

संवाद से समाधान-हितग्राहियों को फोन पर दी जा रही आवेदन निराकरण की जानकारी

निराकरण की जानकारी दी जा रही है

महासमुंद, (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण के साथ–साथ हितग्राहियों को उनके प्रकरणों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा हितग्राहियों को फोन पर सूचना दी जा रही है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार जनपद पंचायतों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को सीधे फोन कर उनके आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य केवल आवेदनों का निराकरण करना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों तक उसकी जानकारी समय पर पहुंचाकर शासन–प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करना है। इसके माध्यम से हितग्राहियों को अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति जानने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत महासमुंद अंतर्गत ग्राम मुनगाशेर के चंदन सोनकर को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया गया कि उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2.0 के अंतर्गत उनके पिता के साथ संयुक्त सर्वे सूची में शामिल है तथा आगामी प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। इस जानकारी से वे संतुष्ट नजर आए।

वहीं ग्राम पंचायत पचरी के मोहित कुर्रे को बताया गया कि उनका मनरेगा जॉब कार्ड बन चुका है, जिसका क्रमांक 607 है। मोहित ने इस सूचना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि जनपद से फोन आने पर उन्हें बेहद खुशी हुई। इसी प्रकार ग्राम पंचायत मोगरा की सुशीला ध्रुव, उर्मिला एवं अन्य महिलाओं को भी उनके आवेदनों के निराकरण जानकारी फोन पर दी गई। संबंधित हितग्राहियों को जॉब भी निराकरण के लिए खुशी व्यक्त की है।जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं से जुड़े हितग्राहियों से लगातार संपर्क स्थापित कर उन्हें उनके आवेदनों की स्थिति, स्वीकृति तथा लाभ वितरण की जानकारी दी जा रही है।

प्रेमी के साथ रहने गई युवती को हाईकोर्ट ने सुरक्षा देने कहा

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अंतरधार्मिक विवाह करने वाले एक वयस्क दंपती को राहत देते हुए स्पष्ट कहा है कि बालिग महिला और पुरुष को अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का पूर्ण अधिकार है। यह अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। अदालत ने पुलिस प्रशासन को नवविवाहित जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने अंबिकापुर निवासी मोहम्मद जीशान (26) और आन्या सोनी (25) की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित

किया। दोनों लंबे समय से एक–दूसरे को जानते थे और आपसी सहमति से विवाह करना चाहते थे। याचिका के अनुसार, अलग–अलग धर्मों से संबंध होने के कारण दोनों के परिवार इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। विरोध बढ़ने पर दोनों दिसंबर 2023 में दिल्ली गए और 6 दिसंबर को शाहदरा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में विधिसम्मत विवाह कर लिया। विवाह के बाद से उन्हें लगातार परिवार की ओर से धमकियां मिलने लगीं। दंपती ने सम्मान के नाम पर हिंसा (ऑनर किलिंग) की आशंका जताते हुए यह भी आरोप लगाया कि उन्हें झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी जा रही थी। दंपती ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर अधिवक्ता विवेक अग्रवाल के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की।

सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कहा गया कि धमकियों से जुड़े आरोप सामान्य और अस्पष्ट है।

जनसमस्या निवारण शिविर में घनश्याम दास साहू को मिला निःशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, सुगम और प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है।राजनांदगांव जिले में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की सेवाएं नागरिकों को उनके घर के समीप उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को त्वरित लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में राजनांदगांव शहर के मोहड़ वार्ड निवासी घनश्याम दास साहू को जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से निःशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की

सुविधा प्राप्त हुई।

घनश्याम दास साहू ने बताया कि वे मोहड़ स्कूल परिसर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें परिवहन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी मिली। उन्होंने वहीं पर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनका निःशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस तत्काल जारी कर दिया गया।

स्थानीय स्तर पर मिली सुविधा, नहीं लगाना पड़ा कार्यालय का चक्कर

हू ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए परिवहन विभाग के जिला कार्यालय जाना पड़ता, जिसमें समय और अतिरिक्त खर्च दोनों लगते। लेकिन सुशासन तिहार के अंतर्गत मोहड़ वार्ड में आयोजित शिविर के माध्यम से यह सुविधा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हो गई। इससे न केवल उनके समय की बचत हुई, बल्कि अनावश्यक आवागमन एवं खर्च से भी राहत मिली। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से उनका कार्य शीघ्रता एवं सहजता से पूर्ण हो गया।

जनता और प्रशासन के बीच बढ़ रहा विश्वास

घनश्याम दास साहू ने कहा कि शासन की यह पहल आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से लोगों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है और छोटे–छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से प्रशासन जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है, जिससे शासन–प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। घनश्याम दास साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार जैसी पहल से सहज, सरल और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच रही हैं। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित हो रही है।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर-1, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, मेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप मो. 98267-01269, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर Website: www.maaadagency.com मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर फोन- 2223699, 2539578, मो. 94252-11222

अजय एडवरटाइजर्स, पब्लिसिटी
समवेद शिखर कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान फोन- 2224371, 2537569, मो. 94242-01700

ए.एस. एसोसिएट्स
अवंति विहार एटीएम चौक रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-62101, 93020-77741

सुमीत एडवरटाइजर्स
शहीद स्मारक भवन, रजबंधा, रायपुर फोन- 4031319, मो- 98261-61116, 98267-08989

चित्रांश पब्लिसिटी
24, प्रथम तल, विजेता कॉम्पलेक्स शास्त्री बाजार रायपुर मो. 94252-04920, फोन- 2234944, 2582595

2022 से लापता बालिका राजस्थान से बरामद

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों एवं लापता बालक–बालिकाओं की खोजबीन के लिए गठित विशेष टीम को बड़ी सफलता मिली है। थाना कोतरारोड़ क्षेत्र से वर्ष 2022 में लापता हुई नाबालिग बालिका को राजस्थान के जिला डिडवाना से दस्तयाब किया गया है। मामले में नाबालिग को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने, विवाह करने और शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

08 नवंबर 2022 को थाना कोतरारोड़ में नाबालिग बालिका की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। परिजनों ने बताया था कि 03 नवंबर 2022 को घर के सदस्य काम पर गए हुए थे और वापस लौटने पर बालिका घर पर नहीं मिली। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर थाना कोतरारोड़ में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 363 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई थी।

सोशल मीडिया जांच से मिला अहम सुराग

विवेचना के दौरान कोतरारोड़ पुलिस ने बालिका के सोशल मीडिया अकाउंट एवं संपर्कों की गहन जांच की। जांच में राजस्थान निवासी श्योजी राम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस टीम पूर्व में भी आरोपी एवं बालिका की तलाश में राजस्थान गई थी, किंतु दोनों अपने संभावित ठिकानों से मोबाइल फोन बंद कर फरार मिले थे।

विशेष टीम ने राजस्थान में की सफल कार्रवाई

लगातार तकनीकी विश्लेषण एवं पतासाजी के आधार पर पुलिस टीम ने राजस्थान के जिला डिडवाना–कुचामन में आरोपी श्योजी राम पिता चन्द्राराम, उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम शिवदानपुरा, थाना चितावा के कब्जे से पीड़िता को 05 जून को बरामद किया। इसके बाद दिनांक 07 जून को बालिका को सकुशल रायगढ़ लाया गया।

इंस्टाग्राम से हुई पहचान, शादी का झांसा देकर ले गया राजस्थान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि लगभग पांच वर्ष पूर्व उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से राजस्थान निवासी श्योजी राम से हुई थी। सोशल मीडिया पर बातचीत के बाद दोनों के बीच लगातार संपर्क बढ़ा और आरोपी ने उससे विवाह करने का वादा किया। आरोपी ने उसे रायगढ़ से जयपुर आने के लिए रेलवे टिकट भेजी थी और आगे किशनगढ़ पहुंचने का निर्देश दिया था। आरोपी के कहने पर वह 03 नवंबर 2022 को रायगढ़ से जयपुर और वहां से किशनगढ़ पहुंची, जहां आरोपी उसे लेने आया और किराए के मकान में रखकर साथ रहने लगा। पीड़िता के अनुसार आरोपी को उसकी वास्तविक उम्र की जानकारी होने के बावजूद

उसने उससे विवाह किया और उसके साथ पति–पत्नी की तरह रहते हुए शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के कथनों एवं जांच में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध अपहरण, लैंगिक अपराध एवं अन्य सुसंगत धाराएं धारा 366, 376 (2) (ढ) भा.द.वि., 6 पॉक्सो एक्ट जोड़ी गईं।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में राहत नहीं, 20 साल की सजा बरकरार

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मस्तूरी थाना क्षेत्र के एक गांव में वर्ष 2017 में नाबालिग छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराए गए दो आरोपियों को राहत नहीं मिली है। विशेष पॉक्सो न्यायालय द्वारा सुनाई गई 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहले ही बरकरार रख चुका है। अब दोनों दोषियों ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जहां मामले की सुनवाई 3 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

मामले में दोषी विपिन कुमार जांगड़े और सुनील कुर्रे को 19 फरवरी 2021 को बिलासपुर स्थित विशेष पॉक्सो न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376डी के तहत दोषी ठहराते हुए 20–20 वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी।

31 जुलाई 2025 को न मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभू दत्ता गुरु की खंडपीठ ने अपील खारिज करते हुए निचली अदालत के फैसले को सही माना। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि यौन अपराध की पीड़िता की गवाही को बिना ठोस कारण के खारिज नहीं किया जा सकता।

खंडपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि हत्यारा केवल शरीर को नष्ट करता है, जबकि दुष्कर्मी पीड़िता की आत्मा को कुचल देता है। ऐसे जघन्य अपराधों में नरमी या सहानुभूति की कोई गुंजाइश नहीं है।

अभियोजन के अनुसार 18 नवंबर 2017 की रात नाबालिग छात्रा घर में शौच के लिए गई थी। इसी दौरान दोनों आरोपी दीवार फांदकर परिसर में घुस आए। आरोप है कि उन्होंने छात्रा का मुंह कपड़े से बांध दिया, उसके पैर बांधे और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया।

काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिजन मौके पर पहुंचे, जिससे आरोपी वहां से भाग निकले। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से चाकू और रूमाल सहित अन्य सामग्री जब्त की थी। एफएसएल रिपोर्ट, चिकित्सकीय साक्ष्य और पीड़िता की विश्वसनीय गवाही के आधार पर अदालतों ने दोनों आरोपियों को दोषी माना। हाईकोर्ट से अपील खारिज होने के बाद दोनों दोषियों ने विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी।

तेज धूप और उमस से बेहाल जनता राहत के लिये अभी और चार दिन करना होगा इंतजार

रायगढ़. (प्रतिदिन राजधानी)

सहित छत्तीसगढ़ में नौतपा बीतने के बाद भी सूरज के तेवर ठंडे होने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक तरफ जहां सूबे के कुछ चुनिंदा हिस्सों में छिटपुट बारिश हुई है, वहीं राजधानी रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और रायगढ़ समेत ज्यादातर मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी का दौर जारी है। दिन के वक्त आसमान से बरसती आग और रात में चल रही गर्म हवाओं (लू) के साथ चिपचिपाती उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। पिछले 24 घंटों में पारे में कोई गिरावट नहीं देखी गई है, लेकिन इसी बीच मौसम विभाग ने एक बड़ी राहत की खबर दी है। प्रदेशवासियों को झुलसाने वाली इस गर्मी से जल्द निजात मिलने वाली है, क्योंकि मानसून तेजी से छत्तीसगढ़ की तरफ बढ़ रहा है।

रायपुर रहा सबसे गर्म, कुछ इलाकों में गिरीं राहत की फुहारें

मौसम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, रविवार को राजधानी रायपुर प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, रायगढ़ जिले में भी तापमान 42 से उपर दर्ज किया गया। सबसे न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हालांकि, इस भीषण तपिश के बीच छत्तीसगढ़ के कुछ अंचलों में बादलों ने राहत भी बरसाई है। कुसमी में सर्वाधिक 7 सेमी, कापू में 3 सेमी और बलरामपुर, कांसाबेल व पोदी उपरोरा में 1–1 सेमी बारिश दर्ज की गई। बस 4 दिन का इंतजार, छत्तीसगढ़ की दहलीज पर मानसून वरिष्ठ मौसम विज्ञानी एच. पी. चंद्रा के अनुसार, दक्षिण–पश्चिम मानसून देश के उत्तर–पूर्वी राज्यों नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और अरुणाचल प्रदेश में पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसमी परिस्थितियां बेहद अनुकूल हैं। अगले 3 से 4 दिनों के भीतर मानसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रास्तों से होते हुए छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों और ओडिशा में प्रवेश कर जाएगा।

गुम बालिकाओं की खोज में रायगढ़ पुलिस की संवेदनशील कार्रवाई

रायगढ़. (प्रतिदिन राजधानी)

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों एवं लापता बालक–बालिकाओं की त्वरित खोजबीन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में संचालित ष्अभियान संवेदनाष् के तहत थाना धरमजयगढ़ पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए लापता हुई 17 वर्षीय बालिका को महाराष्ट्र के मुंबई शहर से सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया है। वहीं थाना कोतरारोड़ क्षेत्र से वर्ष 2022 में लापता हुई नाबालिग बालिका को राजस्थान के जिला डिडवाना से दस्तयाब किया गया है। मामले में नाबालिग को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने, विवाह करने और शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पढ़ाई को लेकर डांट–फटकार के बाद घर से चली गई थी बालिका 24 मई को थाना धरमजयगढ़ में एक महिला द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी लगभग 17 वर्षीय पुत्री 24 मई की रात करीब 2 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है और काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका है। परिजनों द्वारा रिश्तेदारों एवं आसपास के क्षेत्रों में तलाश किए जाने के बावजूद बालिका का पता नहीं चलने पर थाना धरमजयगढ़ में गुमशुदगी दर्ज कर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 137(2) दर्ज कर तत्काल खोजबीन शुरू की गई।

थाना प्रभारी धरमजयगढ़ निरीक्षक राजेश जांगड़े द्वारा बालिका के परिजनों, सहेलियों एवं अन्य परिचितों से पूछताछ कर लगातार पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि बालिका मुंबई में है। जानकारी मिलते ही एएसआई मंजू मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मुंबई रवाना की गई। टीम द्वारा दादर क्षेत्र में लगातार खोजबीन कर बालिका को सकुशल दस्तयाब किया पूछताछ में बालिका ने बताया कि पढ़ाई को लेकर घरवालों द्वारा डांटने–फटकारने से वह नाराज होकर घर छोड़कर निकल गई थी। वह ट्रेन से रायपुर की ओर जा रही थी, इसी दौरान ट्रेन में एक ट्रांसजेंडर से उसकी मुलाकात हुई, जो कोलकाता से मुंबई जा रही थी। उसके साथ वह मुंबई पहुंच गई और दादर क्षेत्र में रहने लगी। बाद में रायगढ़ पुलिस टीम द्वारा संपर्क कर उसे सुरक्षित वापस लाया गया। बालिका को रायगढ़ लाकर उसकी काउंसलिंग की गई तथा सुरक्षा एवं जागरूकता संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। उसे समझाइश दी गई कि किसी भी अपरिचित व्यक्ति के साथ जाने से बचें और किसी भी समस्या की स्थिति में परिवार या पुलिस से संपर्क करें। वहीं परिजनों को भी बालिका के साथ सकारात्मक संवाद बनाए रखने तथा अनावश्यक डांट–फटकार से बचने की सलाह दी गई। काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्दांत तिवारी के सुपरविजन में गुम बालिका की पतासाजी और सकुशल दस्तयाबी में निरीक्षक राजेश जांगडे थाना प्रभारी धरमजयगढ़, एएसआई मंजु मिश्रा, महिला आरक्षक सोनम उरांव और आरक्षक विजयनंद राठिया की अहम भूमिका रही है।

हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई तेज कार, युवक की मौत, चालक गंभीर

अम्बिकापुर,(प्रतिदिन राजधानी)

अंबिकापुर, 10 जून। अंबिकापुर–बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–130 पर मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। भिट्ठीकला के पास तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मणिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार रात करीब 2 से 2.30 बजे के बीच अंबिकापुर से लखनपुर की ओर जा रही स्विफ्ट कार (सीजी 04 क्यूएस 4079) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना में कार सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक दीपक सोनी किसी तरह वाहन से बाहर निकलने में सफल रहा। उसे तत्काल उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं कार में सवार तेजपाल (19) वाहन के अंदर बुरी तरह फंस गया।

घटना की सूचना मिलते ही मणिपुर थाना प्रभारी सीपी तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तेज बारिश के बीच पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार का दरवाजा खोलकर युवक को बाहर निकाला और मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के मुताबिक, मृतक तेजपाल ग्राम अमगसी का निवासी था। वह मंगलवार शाम घर से लखनपुर जाने की बात कहकर निकला था।

विशेष लोक अदालत में सुलह-समझौते से होगा मामलों का निराकरण

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर–घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति से न्याय की भावना को मूर्त रूप देने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति के आधार पर निराकरण किया जाएगा। समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 के तहत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति कार्यालयों में सुलह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायगढ़ द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ऐसे पक्षकार, वादी–प्रतिवादी अथवा अधिवक्ता जिनके मामले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं, वे समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 में शामिल होने के लिए 31 जुलाई 2026 तक गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहमति प्रदान कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संबंधित पक्षकारों से इस विशेष पहल का लाभ उठाकर आपसी सहमति से विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु आगे आने की अपील की है। समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 हेतु स्थापित वन स्टॉप सेंटर (वार रूम) के फोन नंबर 011–23115652 एवं 011–23116164 तथा ई–मेल पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सोने का हार चमकाने के नाम पर ठगी, 4 महिलाएं गिरफ्तार

सूरजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सोने का हार साफ कर चमकाने के नाम पर ठगी करने वाली चार महिलाओं को बिश्रामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने एक महिला को झांसा देकर उसका असली सोने का हार बदलकर नकली हार थमा दिया था। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार 9 जून को थाना बिश्रामपुर में एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 3 जून को दोपहर करीब 1.30 बजे उसके घर चार महिलाएं पहुंचीं। महिलाओं ने सोने–चांदी के जेवरों की सफाई करने की बात कही। बातचीत के दौरान उन्होंने महिला का विश्वास जीत लिया और उसका सोने का हार साफ करने के बहाने अपने कब्जे में ले लिया।

आरोप है कि सफाई के दौरान महिलाओं ने चालाकी से असली दे दिया। बाद में जब महिला को संदेह चला कि हार सोने का नहीं बल्कि पीतल धातु का है। इसके बाद पीड़िता ने बिश्रामपुर थाना पहुंच मामले की शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध महिलाओं की तलाश कर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में परमिला गिरी (19 वर्ष), मीरा गिरी (20 वर्ष), बिंदिया बाई गिरी (45 वर्ष) तथा राजकुमारी गिरी (25 वर्ष) शामिल हैं। सभी आरोपी करंजिया थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकली सोने के हार बनाने की जड़ी, नकली हार, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, कटर ब्लेड, रेती तथा अन्य सामग्री बरामद की है।

नशा मुक्ति को लेकर निकाली जनजागरण रैली

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

पद्मश्री माता राजमोहनी देवी सेवा संस्थान मुख्य आश्रम गोविंदपुर के द्वारा आज माता राजमोहनी देवी की उत्तराधिकारी पूज्य माता रामबाई व संत गहिरा गुरुजी के सुपुत्र संत गहिरा गुरु सनातन संत आश्रम के अध्यक्ष श्रद्धेय बबरू वाहन जी के नेतृत्व तथा जनजाति गौरव समाज प्रदेश उपाध्यक्ष रामलखन पैकरा, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अमृत सिंह मराबी, त्रिभुवन सिंह, परमेश्वर सिंह मरकाम, अरुणा सिंह, सहदेव भगत, कमला प्रसाद सिंह, धर्म सिंह, संतोष दास, बिहारी लाल उरांव, दिनेश पावेल तथा कमलेश टोप्पो की उपस्थिति में विशाल नशा मुक्ति का संदेश देती जन जागरण रैली माता राजमोहनी देवी सभा भवन से शुरू होकर अंबिकापुर कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंची, जहाँ राज्यपाल और मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया।

'नशा मुक्ति कर जोर अभियान चलाना हे, हमर सरगुजा ला नशा ले मुक्त बनाना हे' जैसे नारों के साथ निकली रैली एमजी

रोड, अम्बेडकर चौक, गांधी चौक, विवेकानंद चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल थीं।

माता राजमोहनी देवी सभा भवन में आमसभा की गई, जिसको संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत गहिरा गुरु सनातन संत आश्रम के अध्यक्ष श्रद्धेय बबरू वाहन ने कहा कि माता राजमोहिनी देवी और संत गहिरा गुरुजी ने समाज को मांस मदिरा त्यागने का संदेश दिया है इसलिए हम सभी का दायित्व है कि उनके बताये मार्ग पर चलकर सर्व समाज का इन बुराईयों का त्याग करे। इस अवसर पर जनजाति गौरव समाज के प्रदेश महामंत्री राम लखन सिंह पैकरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि माता राजमोहनी देवी एवं संत गहिरा गुरु जी जैसे महान संतों का आशीर्वाद, मार्गदर्शन व प्रेरणा संदेश हमें मिला है।

समाज में परिवर्तन लाने के लिए हमें उनके संदेशों को याद रखना होगा।

इस अवसर पर पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने कहा कि समाज को समय–समय पर एकजुट करने के लिए संतों की वाणी को स्मरण करते रहना चाहिए। कार्यक्रम को राजमोहनी देवी सेवा संस्थान के अमृत सिंह मराबी तथा त्रिभुवन सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सुदामा प्रसाद आयाम, दोहन प्रसाद नेताम, धनी सिंह, रामकरण सिंह, नंदू सिंह कमरों, लक्ष्मण सिंह आयाम, हरिहर अर्जुन, शंकर सिंह, दुलार सिंह, विश्वनाथ टेकाम, विनोद सिंह, छत्तर साय तथा भागवत सिंह टेकाम सहित बड़ी संख्या में राजमोहनी देवी सेवा संस्थान से जुड़े पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा माता राजमोहनी देवी के अनुयायी उपस्थित रहे।

मोदी के 12 साल पूरे, महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ और पौधरोपण

राजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजपुर स्थित माँ महामाया मंदिर परिसर में मंगलवार को एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के दीर्घायु जीवन और देश की निरंतर प्रगति के लिए विशेष पूजा–अर्चना कर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, सामरी विधायक उद्देश्वरी पैकरा, भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, महामंत्री संजय सिंह, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मुन्नालाल चौधरी, जनपद अध्यक्ष विनय भगत, नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने माँ महामाया के दर्शन कर पूजा–अर्चना की।

मंदिर के पुजारी राघवेंद्र पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजन संपन्न कराया तथा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कराया। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मंदिर परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया गया।

विधायक उद्देश्वरी पैकरा सहित भाजपा पदाधिकारियों, वन विभाग एवं नगर पंचायत के अधिकारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। विधायक ने पौधों को जल अर्पित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य रवि प्रताप मरावी, मंडल महामंत्री बबलू यादव, संतोष तिवारी, जितेंद्र जायसवाल, राजेश यादव, अनिल तिवारी, उदय यादव, रिंकी सिंह, रिंकू अग्रवाल, गौरव उपाध्याय, शंकर गोयल, सुरेश यादव एवं सुनील गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, मातृशक्ति, ग्रामीणजन तथा वन एवं नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार 12 जून 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

राष्ट्रपति मुर्मु आज उत्तराखंड दौरे पर, IMA दीक्षान्त परेड का करेंगी निरीक्षण

- 13 जून को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की दीक्षान्त परेड का निरीक्षण करेंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 12 से 13 जून, 2026 तक उत्तराखंड का दौरा करेंगी।

पीआईबी दिल्ली की ओर से 11 जून 2026 को जारी जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति 13 जून को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में आयोजित दीक्षान्त परेड का निरीक्षण करेंगी।

इस दौरान राष्ट्रपति भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की दीक्षान्त परेड का निरीक्षण करेंगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से की मुलाकात।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से की मुलाकात।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात।

हरिद्वार में भारतीय भेषज संहिता (आईपी) 2026 पर वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित; औषध गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में औषध संहिता मानकों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया

- आईपीसी ने जागरूकता और क्षमता-निर्माण पहलों के माध्यम से आईपी-2026 के लिए उद्योग की तैयारियों को मजबूत किया
- आईपी-2026 सम्मेलन ने फार्माकोपियल मानकों को व्यापक रूप से अपनाने को प्रोत्साहित किया और फार्मास्युटिकल उद्योग को मार्गदर्शन प्रदान किया

नई दिल्ली। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था, भारतीय भेषज संहिता आयोग (आईपीसी) ने देवभूमि फार्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एडीपीआई) और उत्तराखंड के संबद्ध फार्मास्युटिकल विनिर्माण संघों के सहयोग से हरिद्वार में भारतीय फार्माकोपिया (आईपी) 2026 ₹फार्माकोपिया मानकों और गुणवत्ता अनुपालन के माध्यम से फार्मास्युटिकल विनिर्माण को सुदृढ़ बनाना₹ विषय पर एक वैज्ञानिक सम्मेलन और संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य आईपी-2026 के प्रावधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और फार्मास्युटिकल विनिर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता अनुपालन को बढ़ावा देना था।

उत्तराखंड भारत के प्रमुख दवा विनिर्माण केंद्रों में से एक है और उन राज्यों में शामिल है जो दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए आईपी और भारतीय फार्माकोपिया संदर्भ पदार्थों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं। दवा विनिर्माण में राज्य के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए, उद्योग जगत में जागरूकता बढ़ाने, फार्माकोपिया की आवश्यकताओं के अनुपालन को बढ़ावा देने और दवा क्षेत्र में आईपी मानकों को एकसमान रूप से अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिससे राज्य के दवा निर्माताओं और अन्य हितधारकों को सहयोग प्रदान किया जा सके।

इस कार्यक्रम में दवा विनिर्माण इकाइयों के प्रतिनिधियों, गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन पेशेवरों, नियामक अधिकारियों, विश्लेषणात्मक वैज्ञानिकों और दवा परीक्षण प्रयोगशाला कर्मियों को एक साथ लाया गया ताकि फार्माकोपियल मानकों में हाल के घटनाक्रमों और दवा उद्योग में उनके कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श किया जा सके।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ देवभूमि फार्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन के स्वागत भाषण से हुआ। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने फार्मास्युटिकल गुणवत्ता प्रणालियों को मजबूत करने में उद्योग और मानक-निर्धारण निकायों के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

इस सत्र को देहरादून स्थित केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) श्री सिद्धार्थ सहाय मल्होत्रा और उत्तराखंड के औषधि नियंत्रक एवं राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण श्री ताजबेर सिंह ने भी संबोधित किया, जिन्होंने नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने और जन स्वास्थ्य की रक्षा में औषध संहिता मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में, आईपीसी के सचिव-सह-वैज्ञानिक निदेशक डॉ. वी. कलैसेल्वन ने औषधियों के लिए वैज्ञानिक रूप से मान्य गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने और वैश्विक फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को बनाए रखने में आईपी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने आईपी-2026 में शामिल प्रमुख प्रगति पर प्रकाश डाला और औषध संहिता की आवश्यकताओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में उद्योग की भागीदारी के महत्व पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र के बाद आईपी के प्रमुख पहलुओं पर तकनीकी विचार-विमर्श और ज्ञान-साझाकरण संबंधी चर्चाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें फार्माकोपियल मानकों, संदर्भ पदार्थों, सूक्ष्मजीवविज्ञानिक गुणवत्ता आवश्यकताओं, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों, विश्लेषणात्मक जांच और जैविक मानकों में हाल के विकास शामिल थे। सत्रों ने प्रतिभागियों को फार्मास्युटिकल विनिर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण में आईपी मानकों के अनुप्रयोग की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

एक विशेष संवादात्मक सत्र ने प्रतिभागियों को आईपीसी वैज्ञानिकों के साथ सीधे बातचीत करने और आईपी-2026 के तकनीकी, नियामक और कार्यान्वयन संबंधी पहलुओं पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। चर्चाओं में फार्माकोपियल आवश्यकताओं में हो रहे बदलावों को समझने और गुणवत्ता आश्वासन के लिए सर्वोत्तम प्रणालियों को अपनाने में उद्योग की गहरी रुचि झलकती है।

इस सम्मेलन में आईपीसी ने औषध संहिता मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और गुणवत्ता सुनिश्चित दवाओं के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों के साथ सहयोग मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। कार्यक्रम का समापन नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ जिससे उत्तराखंड और पूरे देश में दवा की गुणवत्ता और अनुपालन को आगे बढ़ाने के लिए नियामकों, उद्योग प्रतिनिधियों और वैज्ञानिक विशेषज्ञों के बीच निरंतर संवाद स्थापित करने में मदद मिली।

यूपी में शुरू हो सकते हैं ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम, सीएम योगी की अहम बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को 5 कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर अधिकारियों के साथ अहम बैठक कर रहे हैं. इस बैठक में प्रदेश में ऑनलाइन क्लासेस और वर्क फ्रॉम होम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है.

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की अपील के बाद राज्य सरकार संभावित परिस्थितियों को देखते हुए नई व्यवस्थाओं पर मंथन कर रही है. बैठक में विशेष रूप से प्रदेश में ऑनलाइन पढ़ाई को प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारियों पर चर्चा हो रही है.

इसके साथ ही प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक तैयारियों, दिशा-निर्देशों और विभिन्न विभागों के समन्वय को लेकर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है. अधिकारियों को संभावित व्यवस्थाओं को लेकर जरूरी निर्देश दिए जा सकते हैं.

सरकार का फोकस यह सुनिश्चित करने पर है कि किसी भी परिस्थिति में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था को तत्काल लागू किया जा सके. बैठक के बाद इस संबंध में महत्वपूर्ण फैसले सामने आ सकते हैं.

PM मोदी ने की थी अपील

बता दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव को कम करने के लिए कई अपील की. उन्होंने नागरिकों को ईंधन की खपत घटाने, सोने की खरीद टालने, वर्क फ्रॉम होम अपनाने और गैरजरूरी खर्च कम करने को कहा.

गुजरात के वडोदरा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया पिछले कई वर्षों से अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, जिसकी शुरुआत कोविड-19 महामारी से हुई थी और अब पश्चिम एशिया के संघर्ष के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है.

वर्क फ्रॉम होम की अपील

प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों को पेट्रोल और डीजल का उपयोग यथासंभव कम करना चाहिए. उन्होंने मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसों और सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग तथा कारपूलिंग को बढ़ावा देने की अपील की. उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के पास कार है, उन्हें एक वाहन में अधिक लोगों के साथ यात्रा करनी चाहिए.

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने की अपील दोहराई. उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक ने काम करने के तरीकों को आसान बना दिया है और वर्चुअल मीटिंग्स तथा घर से काम करने को प्राथमिकता देना अब बेहद जरूरी हो गया है, चाहे वह सरकारी क्षेत्र हो या निजी क्षेत्र.

चेन्नई से अबू धाबी जा रही फ्लाइट उड़ान भरने से पहले अचानक रद्द

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई से अबू धाबी जा रही एतिहाद एयरवेज़ की एक फ़्लाइट मंगलवार को उड़ान नहीं भर पाई. इसमें करीब 280 यात्री सवार थे. सूत्रों ने आजतक को बताया कि उड़ान नहीं भर पाने की वजह हाइड्रोलिक लीक था, जिसके चलते इंजीनियरिंग टीम ने विमान को 'ग्राउंडेड' (AOG) घोषित कर दिया. एतिहाद की चेन्नई-अबू धाबी फ़्लाइट को Airbus A320 (A6-EIT) विमान ऑपरेट कर रहा था. तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद उड़ान भरने से पहले ही उसे कैंसिल कर दिया गया.

फ्लाइट रद्द किए जाने के बाद यात्रियों को विमान से उतार लिया गया और उसे स्टैंड पर ले जाया गया. अधिकारियों ने बताया कि इसमें न तो कोई डायवर्जन हुआ और न ही आग लगने की कोई घटना हुई.

इससे पहले आई रिपोर्टों में कहा गया था कि जब फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी, तो उसके बाएं पंख पर आग लगी हुई दिखाई दी थी. रिपोर्टों में यह भी बताया गया था कि अग्निशमन सेवाओं ने तुरंत स्थिति को काबू में कर लिया, जिसके बाद फ़्लाइट को रद्द कर दिया गया.

एयरलाइन ने मांगी माफी

एतिहाद एयरवेज़ ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, ₹12 मई को चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (MAA) से ज़ायेद इंटरनेशनल एयरपोर्ट (AUH) जाने वाली एतिहाद एयरवेज़ की फ़्लाइट EY343, उड़ान भरने से पहले एक तकनीकी खराबी के कारण वापस गेट पर लौट आई, जिसके बाद यात्रियों को विमान से उतार लिया गया. अभी उम्मीद है कि यह फ़्लाइट अपने तय समय से लगभग तीन घंटे की देरी से रवाना होगी₹

बयान में आगे कहा गया कि चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (MAA) के सुरक्षा नियमों के तहत, एहतियात के तौर पर इमरजेंसी सर्विसेज को एक्टिव कर दिया गया था. हमें हुई असुविधा के लिए खेद है और हमारी टीमें यात्रियों को उनकी आगे की यात्रा में मदद कर रही हैं.₹

एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह देते हुए कहा कि यात्री etihad.com/contactme पर अपनी संपर्क जानकारी अपडेट रखें, जिससे उन्हें SMS या ईमेल के ज़रिए फ़्लाइट से जुड़ी ताज़ा जानकारी मिलती रहे. जिन यात्रियों को अपनी बुकिंग से जुड़ी किसी भी तरह की मदद चाहिए, वे स्थानीय संपर्क नंबर, लाइव चैट और सोशल मीडिया सहायता के लिए etihad.com/contactus पर जा सकते हैं.

स्टेटमेंट में आगे कहा गया कि हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और आराम एतिहाद की सबसे बड़ी प्राथमिकता है. कुछ मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, विमान में आग लगने की कोई घटना नहीं हुई थी. विमान एक तकनीकी खराबी के कारण वापस स्टैंड पर लौटा था.

CM विजय ने अपने ज्योतिषी को सरकार में OSD बनाया, इन्हीं की सलाह पर बदला था शपथ का टाइम

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार में मुख्यमंत्री विजय ने अपने करीबियों और भरोसेमंद साथियों को खास जगह दी है. अब सीएम विजय ने अपने निजी ज्योतिषी राधन पंडित वेट्रिवेल को तमिलनाडु सरकार में 'विशेष कार्य अधिकारी' (OSD) नियुक्त किया है.

राधन पंडित वेट्रिवेल लंबे समय से विजय के करीबी रहे हैं. बताया जाता है कि विजय के राजनीतिक सफर और उनके बड़े फैसलों में वेट्रिवेल की सलाह की बड़ी भूमिका रही है.

वेट्रिवेल वही ज्योतिषी हैं, जिनके कहने पर सीएम विजय ने 10 मई को अपने शपथ ग्रहण समारोह का समय बदला था. शुरुआत में मुख्यमंत्री विजय का शपथ ग्रहण समारोह 10 मई को दोपहर 3:45 बजे तय किया गया था. लेकिन, ज्योतिषी वेट्रिवल की सलाह पर समय बदलकर सुबह 10 बजे कर दिया गया था.

विजय सरकार को मिला AIADMK और AMMK का समर्थन

बता दें कि विजय सरकार को बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में फ्लोर टेस्ट देना है. इससे पहले, AIADMK के 30 बागी विधायकों ने विजय की पार्टी टीवीके को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है. AMMK के एक विधायक ने भी टीवीके का साथ देने की बात कही है. टीवीके ने पहले से ही कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई-एम और आईयूएमएल के साथ गठबंधन किया हुआ है. अब AIADMK और AMMK के समर्थन से टीवीके सरकार को और मजबूती मिल गई है.

कौन हैं राधन पंडित वेट्रिवेल?

राधन पंडित वेट्रिवेल तमिलनाडु के एक जाने-माने आध्यात्मिक गुरु हैं. उन्होंने चुनाव से बहुत पहले ही विजय की जीत की भविष्यवाणी कर दी थी. विजय के साथ-साथ जयललिता समेत कई बड़े नेता भी वेट्रिवेल के मुरीद रहे हैं. जब तमिलनाडु में TVK की प्रचंड जीत हुई, तो वेट्रिवेल उन सबसे पहले लोगों में से थे जो विजय को उनकी जीत की बधाई देने उनके घर गए थे.

एक्शन मोड में CM विजय

CM विजय मुख्यमंत्री बनते ही एक्शन मोड में आ गए हैं. विजय ने राज्य के युवाओं को नशे से दूर करने के लिए अहम कदम उठाया है. उन्होंने धार्मिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों के पास मौजूद शराब की सरकारी दुकानों को दो हफ्ते में बंद करने का आदेश दिया है.

अमेरिका ने ईरान पर भीषण बमबारी की, ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाया

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरानी नियंत्रण और अमेरिकी नाकाबंदी से हालात बिगड़ रहे हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बताया कि सेना ने गुरुवार तड़के ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त आत्मरक्षा हमले किए हैं। ईरान के कई क्षेत्रों में धमाके सुने गए हैं। इस पर ईरानी सेना ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जवाब दिया है। सेंटकॉम ने एक बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने पूरे ईरान में ईरानी सेना की निगरानी क्षमताओं, संचार प्रणालियों और एयर डिफ़ेंस साइटों पर हमले किए।

अचानक LNJP अस्पताल पहुंचीं रेखा गुप्ता, नर्सों और स्टाफ से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के मौके पर लोक नारायण जयप्रकाश (LNJP) अस्पताल का औचक निरीक्षण कर नर्सिंग स्टाफ को चौंका दिया. इस दौरान उन्होंने नर्स से बात करते हुए मरीजों की देखभाल में नर्सों की भूमिका को सराहते हुए उन्हें मानवता की सेवा का आधार बताया. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानना और नर्सिंग समुदाय के योगदान को सम्मान देना था.

अस्पताल में नर्सों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दवाइयां केवल शरीर का इलाज करती हैं, लेकिन मरीज को असली हिम्मत नर्सों की मुस्कान से मिलती है. उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉक्टर इलाज करते हैं, लेकिन मरीजों को मां जैसा प्यार भरोसा और देखभाल केवल नर्सों से मिलती है.

उन्होंने कहा कि ये सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी पूजा है.

भारत-स्विट्ज़रलैंड आर्थिक साझेदारी मजबूत करने के लिए पीयूष गोयल आज से रहेंगे स्विट्ज़रलैंड दौरे पर

- इंडिया-EFTA व्यापार व आर्थिक भागीदारी समझौता TEPA के क्रियान्वयन पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 12-13 जून 2026 को स्विट्ज़रलैंड का दौरा करेंगे। यह दौरा भारत-स्विट्ज़रलैंड आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने और इंडिया-EFTA व्यापार व आर्थिक भागीदारी समझौता TEPA के क्रियान्वयन पर चर्चा की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

पीयूष गोयल 12 जून 2026 को बर्न, स्विट्ज़रलैंड जाएंगे, जहां वे स्विस सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और स्विस फार्मास्यूटिकल उद्योग के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

भारत-EFTA साझेदारी को मिलेगा बल

यह दौरा स्विट्ज़रलैंड और अन्य EFTA देशों के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी को दिए गए महत्व को दर्शाता है। भारत और EFTA सदस्य-राष्ट्र स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, लिक्टेनस्टीन और आइसलैंड ने मार्च 2024 में ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट TEPA पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता अक्टूबर 2025 में प्रभावी हुआ।

TEPA दोनों पक्षों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करता है।

वरिष्ठ प्रतिनिधियों से होगी मुलाकात

दौरे के दौरान पीयूष गोयल से उम्मीद है कि वे आर्थिक मामलों की राज्य सचिव सुश्री हेलेन बुडलीगर आर्टिएडा और स्विट्ज़रलैंड के संघीय राष्ट्रपति श्री गाय पार्मेलिन से मुलाकात करेंगे। वे स्विस फार्मास्यूटिकल उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

चर्चा TEPA के क्रियान्वयन, समझौते से उत्पन्न परिचालन संबंधी मुद्दों के समाधान और द्विपक्षीय व्यापार, निवेश व संस्थागत सहयोग को बढ़ाने पर केंद्रित रहने की संभावना है।

ज़्यूरिख़ में कंपनियों और निवेशकों से चर्चा

दौरे के दौरान मंत्री ज़्यूरिख़ में स्विस कंपनियों और निवेशकों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की जाएगी और गहरे आर्थिक सहयोग के अवसरों का अन्वेषण किया जाएगा।

पीयूष गोयल के साथ उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग DPIIT और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी होंगे। यह दौरा TEPA के प्रभावी क्रियान्वयन का समर्थन करने और भारत-स्विट्ज़रलैंड की दीर्घकालीन आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने की उम्मीद जताता है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के साथ भाजपा सिविल लाइन मंडल की मासिक बैठक संपन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी संगठन से निर्देशित माननीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल के मार्गदर्शन में , माननीय विधायक सुनील सोनी मुख्य अतिथि,भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर,विशेष अतिथि,मंडल के प्रभारी वरिष्ठ नेता सुभाष तिवारी जी ,महेश शर्मा जी नवनियुक्त प्रभारी के दिशा निर्देशों से विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम एवं आत्म निर्भर मंडल हर माह की बैठक सम्पन्न हुई ,आवश्यक बैठक से पूर्व एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर समस्त भाजपा

कार्यकर्ताओं ने वृक्षों की सुरक्षा एवं संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया ।

बैठक में मुख्य अतिथि माननीय विधायक सुनील सोनी मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए मंडल को सुचारू रूप से संचालित करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी,जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने सभी सदस्यों को बूथ समिति गठित करने के बारे में बताया। भाजपा वरिष्ठ नेता सुभाष तिवारी मंडल प्रभारी ने मंडल में जन संपर्क अभियान के बारे में दिशा निर्देश दिये, महेश शर्मा मंडल में होने वाले आगामी कार्यक्रम के बारे बताया, पार्षद एमआईसी मेंबर अमर गिदवानी जी,पार्षद एवं जोन अध्यक्ष सचिन मेघानी मुख्य रूप से बैठक में शामिल हुए,बैठक की अध्यक्षता सुनील कुकरेजा जी ने की,महामंत्री शैलेन्द्र सोमवंशी जी, पदमा साहू , प्रेम गवली,थानूराम पटेल, इला दुबे,प्रकाश जोशी,दीपक पाठक, प्रशांत जगत ,रितेश वाधवा,कमल रंधावा ,धनेश मटलानी,मंडल से वरिष्ठ नेता बबला होतवानी, राजेश जैन, सुनील शर्मा, पल्लवी पाण्डे, कुबेर सपहा,उर्वशी शुक्ला, राजकुमार बाघ,अनीता बोए, शुभम(लवी) ठाकुर, महेश राम वर्मा, शिव चरण सागरवशी,लीला धनगर, मैरी फ्रंसीस स्वामी,निशा प्रधान,आशा अरोरा,प्रियंका शर्मा,सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।

इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों एवं विदेशी अतिथियों के सम्मान में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिया रात्रि भोज

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने आए विभिन्न देशों के कृषि मंत्रियों एवं अन्य विदेशी प्रतिनिधियों एवं अतिथियों के सम्मान में गुरुवार की रात भव्य रात्रि भोज का आयोजन किया।

इस अवसर पर अतिथियों के स्वागत के साथ मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपरा और पर्यटन वैभव को प्रदर्शित करने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना पर आधारित प्रस्तुतियों ने देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन स्थलों की विशेषताओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान आयोजित यह विशेष कार्यक्रम मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बना, जिसमें

प्रदेश की अतिथि-सत्कार परंपरा और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रभावी झलक देखने को मिली।

रात्रि भोज एवं सांस्कृतिक आयोजन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मप्र के मंत्रीगण कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट व एदलसिंह कंसाना, सांसद शंकर लालवानी तथा कविता पाटीदार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, विधायकगण मालिनी गौड़, उषा ठाकुर, रमेश मेंदोला, मधु वर्मा तथा गोलू शुक्ला, सावन सोनकर, प्रताप करोसिया, सुमित मिश्रा, श्रवण सिंह चावड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे में ड्राइविंग पर रायपुर पुलिस की सख्ती: एक रात में 52 चालक पकड़ाए, वर्षभर में 3365 पर कार्रवाई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर और प्रभारी पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल के निर्देशानुसार शराब पीकर नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में मोटर वाहन अधिनियम 1988 के प्रावधानों के तहत शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इस साल अब तक 3365 नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है, जिन्हें नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया।

इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 07 जून 2026 की रात्रि में श्री सतीष ठाकुर एसीपी यातायात के नेतृत्व में शहर के 9 स्थानों तेलीबांधा चौक, पचपेड़ी नाका चौक, भट्ठागांव चौक, टाटीबंध चौक, कालीबाड़ी चौक, जय स्तंभ चौक,भनपुरी चौक एवं पंडरी थाना के सामने पर यातायात के अधिकारियों एवं जवानों की टीम बनाकर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 52 वाहन चालकों में 34 कार, 11 मोटर साइकिल, 02 टाटा एस, 04 ट्रक, 01 पिक अप वाहन को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही कर उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

यातायात पुलिस का यह अभियान किसी लक्ष्य को लेकर नहीं अपितु केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

सिविल लाइंस सिंधी पंचायत ने 4 जरूरतमंदों को प्रदान किए जयपुर फुट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत द्वारा बुधवार को मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए चार जरूरतमंद भाई-बहनों को जयपुर फुट (कृत्रिम पैर) प्रदान किए गए। पंचायत के इस प्रयास से लाभार्थियों को न केवल चलने-फिरने में सहूलियत मिलेगी, बल्कि वे आत्मनिर्भर होकर सम्मानपूर्वक जीवन जी सकेंगे।

दोपहर 1:30 बजे आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में लाभार्थियों को कृत्रिम पैर उपलब्ध कराए गए, जिससे उनके जीवन में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि किसी जरूरतमंद को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर देना सबसे बड़ी मानव सेवा है।

कार्यक्रम में पंचायत अध्यक्ष संजय जयसिंध, महासचिव मोहन वलयानी, उपाध्यक्ष हीरानंद दुलानी, महिला विंग अध्यक्ष मधु बहादुर अर्थवानी, कार्यकारिणी महिला अध्यक्ष लक्ष्मी छुगानी सहित साधना आहूजा एवं पदमा बजाज उपस्थित रहीं।

लाभार्थियों की खुशी और आशीर्वाद ने कार्यक्रम को भावुक बना दिया। उपस्थित जनों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग को संबल देना ही सच्ची मानवता है।

卐सेवा ही सच्चा धर्म है卐 की भावना को साकार करते हुए सिविल लाइंस सिंधी पंचायत का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गया।

असम-नागालैंड सीमा क्षेत्रों में तेल एवं गैस दोहन का मार्ग प्रशस्त, केंद्र और दोनों राज्यों के बीच त्रिपक्षीय समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में गुरुवार को केंद्र, असम और नागालैंड सरकार के बीच असम-नागालैंड सीमा क्षेत्रों में खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस के अन्वेषण और दोहन को सुगम बनाने के लिए एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस मौके पर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा मौजूद रहे।

इस अवसर पर अमित शाह

ने कहा कि देश आज एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह समझौता आने वाले समय में इतिहास में दर्ज किया जाएगा और इससे तेल, प्राकृतिक गैस तथा अन्य खनिज संसाधनों के दोहन की व्यापक संभावनाएं खुलेंगी।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समृद्ध और विकसित पूर्वोत्तर क्षेत्र का जो विजन रखा है, यह समझौता उसे साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि असम और नागालैंड ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए यह तय किया कि सीमा संबंधी मुद्दे देश के ऊर्जा संसाधनों के उपयोग में बाधा नहीं बनेंगे और दोनों राज्य 50-50 हिस्सेदारी के मॉडल पर सहमत हुए हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि यह समझौता सहकारी संघवाद (कोऑपरेटिव फेडरलिज्म) का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नागालैंड सरकार के उस निर्णय का स्वागत किया, जिसके तहत राज्य ने केवल छह क्षेत्रों तक सीमित रहने के बजाय पूरे प्रदेश में तेल एवं गैस की खोज के लिए भी सहमति जताई है।

श्रीमंत झा ने एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में जीता रजत पदक, शहीद सैनिकों को समर्पित किया मेडल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इसिक-कुल (किर्गिस्तान) भारत के गौरवशाली पैरा-आर्मरेसलर श्रीमंत झा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। किर्गिस्तान के इसिक-कुल में 08 जून से 13 जून 2026 तक आयोजित प्रतिष्ठित एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीता है। श्रीमंत ने यह सफलता बेहद कड़े मुकाबले वाली 'PIH -85 किलोग्राम' श्रेणी में हासिल की।

एक रोमांचक और उच्च स्तर के मुकाबले में श्रीमंत झा ने अपनी असाधारण ताकत, सटीक तकनीक और मजबूत इरादों का प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान के मजबूत खिलाड़ी जानिबेक राखातोव को शिकस्त दी और पोडियम पर अपनी जगह पक्की की।

शहीद जवानों को समर्पित किया पदक

श्रीमंत झा ने अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी को भारत के वीर शहीदों के नाम किया है। जीत के बाद उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मेरी हर जीत उन बहादुर सैनिकों के लिए है जिन्होंने हमारे देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मैं यह रजत पदक हमारे सभी शहीद जवानों को समर्पित करता हूँ।

एक ऐतिहासिक उपलब्धि

इस महाद्वीपीय स्तर की प्रतियोगिता में श्रीमंत झा ने अपने विशाल अनुभव और खेल कौशल का लोहा मनवाया। इस नए पदक के साथ ही पैरा-आर्मरेसलर श्रीमंत झा के नाम अब भारत के लिए कुल 65 अंतरराष्ट्रीय मेडल हो गए हैं। यह सफलता वैश्विक मंच पर उनकी विरासत और पहचान को और मजबूत करती है।

श्रीमंत झा का बयान

यह उपलब्धि मेरे लिए बेहद खास है। मैं हर मैच में हमारे देश के बहादुर जवानों से प्रेरणा लेकर मैदान में उतरता हूँ। मेरा अगला लक्ष्य आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में फिर से स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतना और भारत का गौरव बढ़ाना है।

छात्रों को मिलेगा करियर मार्गदर्शन एवं जादू का अनूठा संगम

जेसीआई रायपुर संस्कार द्वारा स्टार्ट टू स्टडी कार्यक्रम का आयोजन 14 जून को

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जेसीआई रायपुर संस्कार द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से स्टार्ट टू स्टडी कार्यक्रम का आयोजन 14 जून 2026, रविवार को विमतारा हॉल, मधु पिल्लई चौक, शांति नगर, एकता हॉस्पिटल के पास, रायपुर में किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए विशेष रूप से करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर देश के प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर एवं करियर गाइड श्री जवाहर सूरी सेठी सर विद्यार्थियों को अध्ययन की प्रभावी तकनीकों, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, परीक्षा की तैयारी एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माण के विषय में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण प्रसिद्ध जादूगर श्री शोमेश थापा का भव्य मैजिक शो होगा, जो विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा एवं सकारात्मक संदेश

भी प्रदान करेगा। यह शो लगभग डेढ़ घंटे तक चलेगा जिसमें रोचक एवं इंटरैक्टिव प्रस्तुतियां शामिल रहेंगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्घाटन सत्र मे डॉ जायेंन्द्र नारंग डायरेक्टर आंजनेय यूनिवर्सिटी रायपुर व समापन सत्र मे PPP JFR राजेश अग्रवाल जी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसीआई रायपुर संस्कार की अध्यक्ष जेसी बरखा अंडानी करेंगी।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन इवेंट डायरेक्टर जेसी गौरांग काचा (VP Management) के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम में सचिव जेसी एचजीएफ अंकित दास मानिकपुरी, आईपीपी जेसी आदित्य टिकरिहा, चैप्टर इंचार्ज जेसी एचजीएफ

सीए सागर जैन एवं चैप्टर कोऑर्डिनेटर जेएफएम जेसीआई सेन निलेश शाह की विशेष भूमिका रहेगी।

जेसीआई रायपुर संस्कार ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

समपार फाटकों पर सुरक्षा का संदेश: रायपुर मंडल का सघन जनजागरूकता अभियान, 1,530 लोगों को किया जागरूक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रदेशव्यापी विशेष पूजा-अर्चना और प्रार्थना कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों, मंडलों और बूथ स्तर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का ताँता लगा रहा। इस दौरान महिलाओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की, आरती उतारी और सुन्दरकाण्ड व हनुमान चालीसा का पाठ किया।

देश की खुशहाली और मोदी की दीर्घायु के लिए महामृत्युंजय जाप

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ पूजा अर्चना में भाग लेने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बीते 12 वर्षों में देश को विकास के नए शिखर पर पहुँचाया है। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में 'मुद्रा योजना', 'उज्ज्वला योजना' और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम)' जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने देश की करोड़ों माताओं-बहनों के जीवन को बदला है। आज हम सबने भगवान शिव और लोक-देवताओं से प्रार्थना की है कि श्री मोदी को दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें, ताकि वे इसी तरह माँ भारती की सेवा करते रहें।

प्रदेशभर में दिखा अभूतपूर्व उत्साह

यह विशेष आयोजन छत्तीसगढ़ के हर कोने में देखने को मिला। बस्तर से सरगुजा तक वनवासी अंचलों के स्थानीय देवी-देवताओं के मंदिरों में महिला मोर्चा की बहनों ने सुख-समृद्धि की मन्नत मांगी। शाम के वक्त कई जिलों में महिलाओं ने 12 वर्षों की पूर्णता के प्रतीक स्वरूप 12-12 दीप जलाकर महाआरती की और देश की अखण्डता व सुरक्षा का संकल्प लिया। पूजा के पश्चात सभी मंदिरों में आम जनता और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस विशेष प्रार्थना कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, स्थानीय महिला जनप्रतिनिधि (पार्षद, जनपद व जिला पंचायत सदस्य) सहित भारी संख्या में मातृशक्ति और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444